RNI:RAJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2024-26
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2024-26
Posted at Shantivan P.O. Dt. 17 to 20 of Each Month

शिव आमंत्रण

सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण
वर्ष-12, अंक-09, हिन्दी (मासिक), सितंबर 2025, पृष्ठ 16, मूल्य- 12:50

स्पेशल स्टोरी

आबू रोड पीएम पार्क में संचालित नवसृजन एक्वा लेजर शो बना आकर्षण का केंद्र

पानी की लहरों पर नवसृजन की कहानी

शिव आमंत्रण, आबूरोड (राजस्थान)।

अरावली की हरी-भरी वादियों के बीच आबूरोड तलहटी के पास स्थित ब्रह्माकुमारीज का प्रकाशमणि विजडम पार्क (पीएम पार्क) सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना है। यह अपने आप में अनोखा एक्वा लेजर शो है, जिसमें ब्रह्माकुमारीज की जीवन यात्रा को पानी की लहरों, म्यूजिकल फाउंटेन, मल्टीकलर लेजर लाइट और सराउंड साउंड सिम्फनी के साथ दिखाया जाता है। इस शो को **नवसृजन** नाम दिया है। 165 फीट चौड़ी विशाल स्क्रीन इसकी भव्यता में चार चांद लगाती है। इस एम्फी थियटर में दो हजार लोगों के बैठने की क्षमता है। पीएम पार्क को दस एकड़ के एरिया में बहुत ही सुंदर तरीके से विकसित किया गया है। यदि आप माउंट आबू आते हैं और नवसृजन शो नहीं देखा तो आपकी यात्रा अधूरी है।

पीएम पार्क बनाने का उद्देश्य

प्रकाशमणि विजडम पार्क की संकल्पना सर्वशक्तिमान परमपिता परमात्मा शिव के साकार माध्यम पिताश्री ब्रह्मा बाबा के संकल्पों को पूर्ण करने के लिए की गई है। बाबा ने परमात्मा शिव की प्रेरणा से नवदुनिया की सृजन की जो नींव रखी थी और स्वर्णिम दुनिया का जो सपना देखा था उनकी इस जीवन यात्रा को इस नवसृजन शो के माध्यम से दिखाया जा रहा है।

नवसृजन से जान सकेंगे ब्रह्मा बाबा का तपस्वी जीवन

माउंट आबू-आबू रोड अंतरराष्ट्रीय ब्रह्माकुमारीज संस्थान का मुख्यालय होने से यहां प्रतिवर्ष लाखों साधक और पर्यटक आते हैं। इन्हें संस्थापक ब्रह्मा बाबा के त्याग, तप, सेवा और साधना से रुबरु कराने के इस नवसृजन शो का निर्माण प्रोफेशनल कलाकारों द्वारा किया गया है। यह शो अपने आप में अनोखा है जो दर्शकों को अद्भुत, आधुनिक, इंटरैक्टिव आध्यात्मिक अनुभव प्रदान कर रहा है। यहां नवीनतम तकनीक के माध्यम से आध्यात्मिक ज्ञान का प्रसार किया जा रहा है, जिसे समाज में जागृति और प्रेरणा का संचार हो सके।

नवसृजन एक्वा लेजर शो की विशेषताएं

- म्यूजिकल फाउंटेन
- सराउंड साउंड सिम्फनी
- मल्टीकलर लेजर लाइट
- अंडरवाटर फ्लेम्स

नवसृजन शो की कहानी

नवसृजन शो की शुरुआत आपको वैदिक भारत के पौराणिक काल में ले जाती है, जहां मां गंगा का अवतरण पृथ्वी पर हुआ। इसके बाद आप ब्रह्माकुमारीज़ के संस्थापक पिताश्री ब्रह्मा बाबा के अद्भुत इतिहास का अनुभव करते हैं। एक महान तपस्वी आत्मा जो राजयोग मेडिटेशन का ज्ञान सिखाने और ज्ञान गंगा को चारों दिशाओं में प्रवाहित करने में परमात्मा के माध्यम बने। ब्रह्मा बाबा ने योग साधना, तपस्वी जीवन से ऐसे पदचिह्न छोड़े हैं जिन पर चलते हुए लाखों लोगों ने आत्मज़ान, महिला सशक्तिकरण, मूल्य-आधारित शिक्षा और आध्यात्मिक जीवनशैली की राह अपनाई है।

पीएम पार्क के अन्य आकर्षण

थ्रीडी शो थिएटर: इस थ्रीडी थिएटर में राजयोग मेडिटेशन और आध्यात्मिक ज्ञान से जुड़े एनिमेटेड वीडियो दिखाए जाते हैं, ताकि पर्यटक आसानी से अध्यात्म की गहराई को समझ सकें और अपने जीवन में उतार सकें।
मेडिटेशन पिरामिड: पीएम पार्क के एंट्री गेट के पास बहुत ही सुंदर तरीके से पिरामिड के आकार में एक मेडिटेशन रुम बनाया गया है, जिसमें आप गहन ध्यान साधना का अनुभव कर सकते हैं।
मेडिटेशन रुम: इसके अलावा एक आधुनिक लाइट से सुसज्जित मेडिटेशन रुम बनाया गया है, जिसमें गहन शांति के साथ पावरफुल वाइब्रेशन की अनुभूति की जा सकती है।
किड्स जोन: पर्यटकों के साथ आने वाले बच्चों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए किड्स जोन बनाया गया है, जिसमें झूले, प्राकृतिक वातावरण का लुत्फ उठा सकते हैं।
ब्रह्माकुमारीज़ विजडम स्टूडियो: मुख्यालय आने वाले सेलेब्रिटी के इंटरव्यू को रिकार्ड करने के लिए नवीनतम तकनीक से लैस एक स्टूडियो बनाया गया है, जिसमें रिकार्डिंग की जाती है।

नवसृजन शो के शिल्पी

- **निर्माता:** डॉ. बीके मृत्युंजय भाई
- **निर्देशक:** उमेश शुक्ला, बॉलीवुड निर्देशक
- **कलाकार:** धर्मेंद्र गोहिल, अनंग देसाई, रिद्धी शुक्ला, नित्या मोयल
- **कहानी और पटकथा:** बीके हरिंदर, बीके शिविका, बीके बुरहान, बीके गौरव
- **को-प्रोड्यूशर:** आशीष वाघ, संपदा वाघ
- **म्यूजिक:** साई-पीयूष
- **छायाकार और संपादक:** मयूर हरदास
- **एनिमेशन प्रमुख:** कृणाल दवे और नमनराज शैलत
- **कॉस्ट्यूम डिजाइनर:** प्रीति शर्मा
- **हेयर एंड मेकअप:** अनीता मतकर
- **सहायक निदेशक:** दीपक चौहान
- **प्रोडक्शन कंट्रोलर:** मनन दवे

ज्ञान के साथ मनोरंजन का अद्भुत समावेश

नवसृजन एक्वा लेजर शो बनाने के पीछे यही उद्देश्य है कि देश-विदेश से माउंट आबू में आने वाले पर्यटक ब्रह्माकुमारीज़ की जीवन यात्रा को जान सकें और परमात्मा का संदेश मिल सके। इसमें ज्ञान और मनोरंजन का समावेश करते हुए पानी की लहरों पर दिखाया जाता है, जिसे दर्शक बहुत ही पसंद कर रहे हैं।
- डॉ. बीके मृत्युंजय भाई, अतिरिक्त महासचिव एवं निर्माता- नवसृजन शो

मैं खुद को भाग्यशाली समझता हूं कि मुझे ब्रह्माकुमारीज़ के संस्थापक पिताश्री ब्रह्मा की जीवन कहानी पर नवसृजन शो बनाने का सौभाग्य मिला। इसमें हमने पूरी मेहनत के साथ बाबा की जीवन को कहानी को रुपांतरित करने का प्रयास किया है। **- उमेश शुक्ला, सुप्रसिद्ध बॉलीवुड के निर्देशक व नवसृजन एक्वा वाटर लेजर शो के निर्देशक (राष्ट्रीय फिल्म अवार्ड्स से सम्मानित)**

नवरात्र प्रथम दिन: मां शैलपुत्री

जो शक्ति का सम्मान करता है वह परमात्मा के आशीर्वाद का पात्र बनता है

मां शैलपुत्री की आराधना एक कन्या के उत्सव के रूप में मनाएं

नवरात्र का त्योहार नारी सम्मान के लिए मनाया जाता है। नारी का हर स्वरूप सम्माननीय और पूजनीय है। परमात्मा ने अपने बाद इस संसार में शक्ति के रूप में किसी को रचा है तो वह नारी ही है, जिनका हम नौ शक्तियों के रूप में पूजन करते हैं। पहले दिन आदिशक्ति की मां शैलपुत्री के रूप में पूजन किया जाता है। मां शैलपुत्री को जीवन में स्थिरता और दृढ़ता का प्रतीक माना जाता है। मां शैलपुत्री का नाम 'शैल' और 'पुत्री' से मिलकर बना है, जिसका अर्थ होता है पर्वत की पुत्री। जब भी घर में कन्या का जन्म होता है तो पवित्रता की शक्ति उसके साथ घर में आती है। पॉजीटिव ऊर्जा सारे घर के अंदर फैल जाती है। मां शैलपुत्री का रूप बेहद सुंदर होता है। वे देवी दुर्गा के प्रथम स्वरूप मानी जाती हैं। उनके एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे हाथ में लोटा (कुम्भ) दिखाते हैं। त्रिशूल अर्थात् एक कन्या के अंदर यह तीनों स्वरूप होते हैं- मां दुर्गा, मां लक्ष्मी और मां सरस्वती का। इसलिए घर में कन्या के जन्म होने पर शोक करने की बजाय उत्सव मनाएं। मां शैलपुत्री के जीवन से संदेश मिलता है कि कभी भी बेटी की भ्रूण हत्या नहीं करनी चाहिए, नहीं तो इसका पाप एक देवी को मारने के समान लगता है। नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री अर्थात् एक कन्या रूप में स्वागत करें। कन्या को सम्मान दें और उस कन्या के पवित्र आभामंडल की रोशनी से अपने जीवन का कल्याण करें। कन्या, वह शिव शक्ति है जो आपको वरदान के रूप में प्राप्त हुई है। जो शक्ति का सम्मान करता है वह परमात्मा के आशीर्वाद का भी पात्र बनता है। इस दिन अपने मन में पवित्रता की शक्ति का आह्वान करें।

मेडिटेशन: एकांत में बैठकर कुछ पल ध्यान करें कि और मन में इन संकल्पों को दोहराएं कि... मैं एक परम पवित्र आत्मा हूं। मेरा स्वरूप शुद्ध और निर्मल है। मैं चारों ओर निर्मल प्रकंपन के प्रभामंडल को देख रही हूं और स्वयं को इस प्रभामंडल में समां रही हूं। मैं आत्मा शक्ति हूं, परमात्मा शिव की शक्ति हूं। परमात्मा से पवित्र किरणें स्वयं में धारण करती हूं।

नवरात्र दूसरा दिन: मां ब्रह्मचारिणी

ज्ञानार्जन में नारी का सहयोग करना मां की पूजा करने के समान है

बेटी तपस्या, संयम के मार्ग पर चलना चाहती है तो उसका सहयोग करें

नवरात्र के दूसरे दिन मां दुर्गा की ब्रह्मचारिणी के रूप में पूजा होती है। जैसे मां शैलपुत्री, कन्या का स्वरूप हैं, वैसे ही मां ब्रह्मचारिणी किशोरी अवस्था का यादगार हैं। जिस किशोरी अवस्था में उन्हें ब्रह्मज्ञान का आचरण करना है। इसलिए मां ब्रह्मचारिणी को घोर तपस्या करते हुए दिखाया गया है। तपस्या का आधार एकाग्रता की शक्ति है। जब इंसान तपस्या करता है तो उसका मन विचलित नहीं हो, मन का भटकाव नहीं हो, तभी उसकी तपस्या सफल होती है।

मां ब्रह्मचारिणी यही संदेश देती हैं कि हमारे घर में कन्याओं, बेटियों को भी विशेष साक्षर करना है, जीवन में आगे बढ़ाना है। किशोरी अवस्था में बाल विवाह को रोकना है। बेटी यदि तपस्या और संयम के मार्ग पर चलना चाहती है तो उसका सहयोग करना है। जो बेटियों की रक्षा करते हैं, उनकी तपस्या को भंग नहीं होने देते हैं मानो वह मां ब्रह्मचारिणी की पूजा-आराधना कर रहा है। जब भारत भूमि पर देवताओं का साम्राज्य था अर्थात् सतयुग था तो देवी-देवता को एक ही स्थान पर या कहें कि नारी को आगे रखा जाता था। इसलिए हम श्रीलक्ष्मी-श्रीनारायण, श्रीराधे-श्रीकृष्ण, श्रीसीता-श्रीराम बोलते हैं। आज भी पूजा के समय सियावर रामचंद्र की जय कहते हैं। मंदिरों में देवी-देवताओं की एकसाथ पूजा की जाती है। नवरात्र का त्योहार हमें स्मृति दिलाता है कि नारी हर रीति से सम्मान योग्य है। पुनः परमात्मा जब इस संसार पर अवतरित होते हैं तो वह शिव की शक्तियां जागृत होती हैं। उन शिव शक्तियों को ही परमात्मा ज्ञान का कलश देकर उनके जीवन को सार्थक करते हैं। पढ़ाई और ज्ञानार्जन की अवस्था में जब नारी परिपक्व होने लगती है तो उसका सहयोग करना मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करने के समान है।

मेडिटेशन : ध्यान की अवस्था में बैठकर संकल्प करें कि मैं आत्मा शक्ति स्वरूप हूं। ज्ञान की देवी मां सरस्वती का वरदानी हाथ मेरे सिर पर है। सर्व कुशलताओं में मैं खुद को संपन्न करती हूं। ज्ञान की शक्ति से स्वयं को संपन्न करती हूं। परमात्मा शक्ति से सशक्त बनाते हैं।

नवरात्र तीसरा दिन: मां चंद्रघंटा

सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने का संदेश देती हैं मां

सदा नारी का सम्मान करें और खुशहाल रखें

आज के दिन हम मां चंद्रघंटा की आराधना, उपासना और पूजा करते हैं। मां चंद्रघंटा नारी का तीसरा स्वरूप हैं। जब नारी सुशिक्षित हो जाती है, संपूर्ण यौवन में आ जाती है और चंद्रमा के समान शीतलता प्रदान करने वाली और विनम्रता उनके जीवन में आभूषण बन जाता है। मां चंद्रघंटा को दस भुजाधारी दिखाया गया है। हर भुजा कोई न कोई अलंकारों से सुसज्जित है। विवाहित जीवन में जब एक कन्या प्रवेश करती है तो उसके जीवन में बहुत सुंदर विचार होते हैं। वह सकारात्मक ऊर्जा के साथ जीवन में आगे बढ़ती है। मां के नाम चंद्र के साथ घंटा जोड़ा गया है। जब मंदिरों में घंटा बजता है तो नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है। इसी तरह मां का यह स्वरूप जीवन में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने का संदेश देता है। यदि एक नारी को प्रताड़ित किया गया, उस पर अत्याचार किया गया, उसे दुख दिया गया तो मां चंद्रघंटा देवी कभी प्रसन्न नहीं होती हैं। इसलिए नारी का यह तीसरा स्वरूप भी सम्माननीय और पूजनीय है। कहा जाता है कि जिस घर में नारी का सम्मान होता है, वहां लक्ष्मी का वास होता है। जिस घर में नारी खुश, प्रसन्न और सुखी रहती है तो वह घर खुशहाल बन जाता है। मां चंद्रघंटा के इस स्वरूप से संदेश मिलता है कि नारी का सदा सम्मान करें।

मेडिटेशन : कुछ पल के लिए अपने मन को सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर करें। मां चंद्रघंटा देवी का स्मरण करते हुए अपने मन को सर्व योग्यताओं और कुशलताओं से संपन्न करें। परमात्मा शिव से मन के तार को जोड़ते हुए उस परमात्मा से शक्ति को प्राप्त कर परमात्म शक्ति की ऊर्जा सारे परिवार में, घर में फैलाएं। यह सकारात्मक ऊर्जा जीवन के अनेक कार्यों को सिद्ध करने के लिए श्रेष्ठ ऊर्जा है। सकारात्मक ऊर्जा से जीवन को सार्थक करें।

नवरात्र चौथा दिन: मां कुष्मांडा

नारी परिवार की सृजनकर्ता है, उसका हमेशा उमंग- उत्साह बढ़ाएं

रचनात्मकता की शक्ति से आती है नवीनता

मां दुर्गा का चौथा स्वरूप है मां कुष्मांडा। मां कुष्मांडा के लिए कहा जाता है कुश मतलब गर्माहट और अंडा अर्थात जिसके अंदर ब्रह्मांड को रचने की शक्ति है। जो ब्रह्मांड को रच सकती है उसके अंदर कितनी शक्ति होगी। नारी का यह स्वरूप विवाहित जीवन का यादगार है। जब नारी गर्भ धारण करती है तो उसके अंदर रचनात्मक शक्ति आ जाती है। मां कुष्मांडा ब्रह्मांड को रचती हैं, लेकिन घर की नारी अपने परिवार के अंदर अपनी दुनिया को वृद्धि की ओर ले जाने के लिए ये रचनात्मक शक्ति को ग्रहण करती है। परिवार को खुशियों और नए उत्साह से भरने लगती है। खुशी प्रदान करती है और अपने अंदर एक नवजीव का सृजन करती है। सृजन करने की शक्ति, रचना करने की शक्ति भगवान के बाद एक नारी में ही होती है। परमात्मा इस संसार के रचयिता हैं और ब्रह्मा सृजनकर्ता हैं।

मां के जीवन से संदेश मिलता है कि जब व्यक्ति के अंदर रचनात्मकता की शक्ति होती है तो उसके अंदर नवीनता आने लगती है। नारी के इस स्वरूप की भी इज्जत और सम्मान करें। जब एक नारी के साथ परिवार वाले होते हैं तो अनेक प्रकार की सहन शक्ति उसके अंदर विकसित हो जाती है। साहस और हिम्मत आ जाता है। मां का यह स्वरूप परिवार को पूर्ण करने का प्रतीक है।

मेडिटेशन : एकांत में बैठकर मां कुष्मांडा का स्मरण करते हुए अपने मन को प्रफुल्लित करें, प्रसन्न करें। मन ही मन संकल्प करें.. मैं आत्मा परमात्मा शिव की श्रेष्ठ शक्ति हूं। परमात्मा शिव रचयिता हैं। परमात्मा के संग मैं इस सृष्टि का सृजन करने में मददगार हूं, सहयोगी हूं। नवीनता के साथ, हिम्मत और उमंग-उत्साह के साथ अनेक बातों को सहन करते हुए परमात्मा के नवसृष्टि की रचना में, मैं आत्मा पूर्ण रूप से मददगार हूं।

नवरात्र पांचवा दिन: मां स्कंदमाता

मां स्कंदमाता की गोद में बालक स्कंद दिखाया गया है

सुसंस्कारित बच्चों के सृजन से बनेगी सुंदर सृष्टि

मां की गोद में बालक स्कंद दिखाया गया है। नारी का यह स्वरूप ममतामयी और वात्सल्य का प्रतीक है। कहा जाता है बालक के जन्म के साथ नारी का एक नया जन्म होता है। जहां उसके अंदर संपूर्ण परिवर्तन आता है। ममता जागृत होने लगती है और वात्सल्य भाव आता है। स्नेह की शक्ति के आधार से वह अपने बच्चे को सुंस्कारित करने लगती है। एक नारी जब मां के रूप में परिवर्तित हो जाती है तो वह स्कंदमाता कहलाती है। कहा जाता है कि मां स्कंद की पूजा करने से परिवार को आशीर्वाद प्राप्त होता है। मां यह स्वरूप भी नारी के लिए सम्माननीय और पूजनीय है। जब वह अपने बच्चे को स्नेह की पालना देते हुए परिवार को आगे बढ़ाती है। बच्चे में श्रेष्ठ संस्कारों का सृजन करने के लिए धैर्यता, वात्सल्य चाहिए। वह हर रीति से बच्चे को मां के प्यार के आंचल की सुरक्षा मिलती है। मां स्कंदमाता हमें संदेश देती हैं कि बच्चों को संस्कार देने की जिम्मेदारी, उन्हें स्नेह से पालना देने की जिम्मेदारी को निभाना है। ताकि सुंदर सृष्टि का निर्माण कर सकें। आज अपने अंदर यह दृढ़ संकल्प लें कि हम अपने बच्चों को समय देंगे और उनकी श्रेष्ठ संस्कारों के साथ पालना करेंगे। उन्हें सुसंस्कारित करने की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभाएंगे, ताकि उनका भविष्य उज्जवल बन सके।

मेडिटेशन : मां स्कंदमाता का स्मरण करते हुए मन ही मन संकल्प करें कि परमात्मा प्यार का सागर है। उस प्यार के सागर परमात्मा से स्वयं को असीम स्नेह से भरते जाएं। महसूस करें कि मैं स्नेह की देवी हूं। स्नेह स्वरूप हूं। चारों ओर स्नेह के प्रकम्पन को प्रवाहित होने दें। घर के अंदर स्नेह का वातावरण भरते जाएं। मन में संकल्प करें कि परिवार के सभी सदस्य परमात्मा की संतान हैं। सभी महान आत्माएं हैं।

नवरात्र छठवां दिन: मां कात्यानी

मां कात्यानी हमें सफलता को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती हैं

कुछ भी हो जाए जीवन में सदा हो निश्चिंतता और निर्भीकता

मां कात्यानी नारी का परिपक्व स्वरूप है। मां का यह स्वरूप हमें याद दिलाता है कि जब नारी जीवन में कई तरह के अनुभव को प्राप्त कर परिपक्वता को हासिल करती है। परिवार को हर तरह की बुराइयों से सुरक्षित रखती है, वह दृढ़ता और आत्म विश्वास के साथ आगे बढ़ती है और सर्व को बढ़ाती है। कहा जाता है कि मां कात्यानी सर्व अलंकारों से सुसज्जित हैं। पापात्माओं और असुरों से परिवार की सुरक्षा करती हैं। जब एक मां सृजन करती है, उसकी पालना करती है तो अपनी संतान की सुरक्षा की जिम्मेदारी वह खुद ही समझती है। इसलिए वह हर रीति से अपनेआप को तैयार कर लेती है। जो चारों ओर दूषित वातावरण है, उससे अपने परिवार को सुरक्षित रखती है। वह ऐसी अनुभवी और परिपक्व बन जाती है, जिससे उसमें दृढ़ता और आत्मविश्वास आ जाता है। नारी का यह स्वरूप हमारे अंदर एक निश्चिंतता का संदेश देता है कि कुछ भी हो मां है ना। जब एक बच्चा अपनी मां के पास जाता है तो वह हर प्रकार की कमजोरी को दूर करने का प्रयास करती हैं। मां अपनी संतानों में वचनों से दृढ़ता भरती है इससे सफलता नजदीक महसूस होने लगती है।

मां कात्यानी हमें संदेश देती हैं कि स्वयं के अंदर दृढ़ता की शक्ति को ग्रहण करें। वह सफलता को प्राप्त करने के लिए प्रेरित भी करती हैं। जहां दृढ़ता है, वहां सफलता है। इसलिए कहा जाता है हर सफल पुरुष के पीछे नारी का हाथ होता है। फिर वह नारी मां, पत्नी या बेटी किसी भी स्वरूप में हो सकती है।

मेडिटेशन : मां कात्यानी का स्मरण करते हुए अपने मन को सभी बाहरी बातों से समेटकर एकाग्र करते हैं। हर प्रकार की कमजोरी से खुद को मुक्त करें। मन को शक्तिशाली बनाएं। खुद को आत्म विश्वास से भरपूर कर दें। फिर मन ही मन स्मरण करें कि... मैं आत्मा शक्ति स्वरूप हूं। परमात्मा की शक्ति, ऊर्जा को स्वयं में ग्रहण करते हुए अपने मन को श्रेष्ठ दिशा दें। कमजोर विचारों से जो मन अवसाद में जा रहा है उसे पुनः श्रेष्ठ विचारों से भर दें, जागृत करें। एक नवीन चेतना के साथ, नवीन ऊर्जा के साथ सफलता को प्राप्त करें। संकल्प करें... सफलता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।

नवरात्र सातवां दिन: मां कालरात्रि

मुसीबत का सामना करने में नारी हर रीति से शक्ति स्वरूप और सबल है

जब नारी आसुरी प्रवृत्तियों को समाप्त करने बन जाती है कालरात्रि

सातवें दिन मां कालरात्रि का गायन पूजन किया जाता है। नारी का यह स्वरूप हर तरह की मुसीबत का सामना करने और परिवार की रक्षा करने का संदेश देता है। मां कालरात्रि, मां काली का ही दूसरा स्वरूप है जो हर प्रकार के असुरों और आसुरी प्रवृत्तियों को समाप्त करने वाली हैं। इसके लिए वह तपस्या करेगी, उपवास करेगी, सहन करेगी, सामना करेगी लेकिन अपने परिवार के ऊपर किसी तरह की आंच नहीं आने देगी। नारी मां काली की तरह निर्भय, साहस के साथ आगे बढ़ती है और हर असुर को खत्म करने के लिए जैसे खुद तैयार हो जाती है। वह शक्ति स्वरूपा बन जाती है। भारत में ऐसी अनेक वीरांगनाएं हुईं हैं जिन्होंने देश या प्रजा पर मुसीबत आने पर उनका सामना करने के लिए मैदान में खड़ी हो गई। परमात्मा शिव ने नारी के अंदर ऐसी शक्ति भरपूर की है जो किसी भी तरह की मुसीबत का सामना करते, सहन करते हुए उसे पार करती है।

न कभी हिम्मत नहीं हारती है और न टूटती है। जब परिवार के अन्य लोग टूटने लगे तो उनमें बल भर देती है। शास्त्रों में दिखाते हैं कि जब मां काली मुसीबतों को समाप्त करने के लिए तांडव करना आरंभ कर देती हैं तो शंकरजी को उनके आगे लेटना पड़ा। अर्थात् ऐसे समय नारी ऐसा स्वरूप धारण कर लेती है कि उसके सामने कोई भी आसुरी प्रवृत्ति वाला आ जाए तो उसकी शक्ति से भयभीत हो जाता है। वर्तमान में हर नारी को इस तरह तैयार करने की जरूरत है कि मुसीबत में साहस के साथ निर्भय होकर सामना कर सके। मां यही संदेश देती हैं कि नारी हर रीति से शक्ति स्वरूप और सबल है।

मेडिटेशन : मां कालरात्रि का स्मरण करते हुए परमात्मा का आह्वान करें। मां का ध्यान करते हुए स्वयं को शिव शक्ति के रूप में देखें। मैं परमात्मा शिव की चैतन्य शक्ति हूं, जिसमें अथाह साहस और हिम्मत है। सर्व विघ्नों को विनाश करने की क्षमता है। मैं विघ्नविनाशक, निर्विघ्न आत्मा हूं। विघ्नों को समाप्त कर सदा अपने जीवन को, अपने परिवार को निर्विघ्न बनाने वाली हूं। हर परिस्थिति में विजयी आत्मा हूं। मैं आत्मा ही परिस्थितियों, विघ्नों रूपी काल पर विजय प्राप्त करने वाली कालरात्रि हूं। मैं विजेता हूं। मैं आत्मा निर्भय और निश्चिंत हूं।

नवरात्र आठवां दिन: मां महागौरी

मां द्वारा दी गई सलाह संतान का जीवनभर मार्गदर्शन करती है

मां महागौरी हमें सिखाती हैं- 'जीवन में सदा हो देने का भाव'

अष्टमी पर मां महागौरी की पूजा, अर्चना, उपासना होती है। शास्त्रों में बताते हैं कि जब मां महागौरी ने घोर तपस्या की तो उनका शरीर तपस्या के कारण श्याम हो गया। उनकी तपस्या को देखकर परमात्मा अवतरित होकर उन्हें गौरा रूप देते हैं और उनमें शक्ति भर देते हैं। नारी का यह स्वरूप इस बात का संदेश देता है कि जब नारी अनेक प्रकार के संघर्षों, परिस्थितियों से लड़ते हुए तपस्या में जब कभी-कभी उमंग-उत्साह में कमी आ जाती है तो परमात्मा शिव उसमें नई शक्ति का संचार करते हैं। जिससे परिवार के अंदर शांति, संतोष आने लगता है। मां का यह स्वरूप हमें शिक्षा देता है कि हमारे पास जो है उसे देना सीखना है। मां के अंदर कभी लेने की भावना नहीं होती है, देना ही देना है। इस भावना के साथ नारी सारे परिवार को देने का कार्य करती है और उसी में उसकी संतुष्टी है। उसके पास जो कुछ भी है गुण, शक्ति सब देना ही देना है। जब देने की भावना होती है तो नारी शिव के समान आसीन हो जाती है, शिव के आसन पर पहुंच जाती है। परमात्मा का भी यही गुण है सबको देना।

जीवनभर जो नारी ने अनुभव प्राप्त किए हैं उन्हें परिवार के साथ बांटते हुए अनुभवी बनाती है। साथ ही सहारा देकर, सहयोग देकर सबल बनाती है। मां द्वारा दी गई सलाह संतान का जीवनभर मार्गदर्शन करती है और सत्य का बोध कराती है। मां ही महागौरी का स्वरूप है। मां के इस स्वरूप को याद रखते हुए उनकी द्वारा दी गई सीख को सदा याद रखें। आज का दिन मां से हम जो चाहें वह प्राप्ति कर सकते हैं।

मेडिटेशन : मां महागौरी का स्मरण करते हुए मन ही मन संकल्प करें कि...मैं आत्मा शिव शक्ति स्वरूप हूं। स्वयं में परिपक्व हूं। शांति, संतोष मेरे जीवन का अनमोल आभूषण हैं। ईश्वर ने मुझ आत्मा को हर शक्ति से भरपूर किया है, अब संसार को देना ही देना है। मुझे अपने कर्मों से दूसरों को गुण, शक्तियों का दान करना है। मुझे अपने कर्मों को आदर्श कर्म बनाना है।

नवरात्र नवां दिन: मां सिद्धिदात्री

मां क्षमा की देवी होती हैं वह संतान की हर गलती को माफ कर देती हैं

घर की सिद्धिदात्री मां का सदा सम्मान और आदर करें

नवरात्र के अंतिम दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा, आराधना सारे भारतवर्ष में होती है। मां सिद्धिदात्री सर्व सिद्धि प्राप्त करने वाली दात्री हैं। हर इंसान जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है। इसके लिए वह मां सिद्धिदात्री की विशेष पूजा-अर्चना करता है। जैसे-जैसे नारी बुजुर्ग अवस्था की ओर बढ़ती है तो वह अपने परिवार को सफलता का वरदान देती है। अपने घर में बुजुर्ग मां का निरादार, तिरस्कार कभी न करें। परमात्मा शिव भी बुजुर्ग मां का निरादर सहन नहीं करते हैं। वर्तमान में हम देखते हैं कि कई संतानें अपनी मां का अपमान करती हैं, यहां तक कि उन्हें वृद्धाश्रम में छोड़ आती हैं और वही फिर मंदिर में जाकर मां से आशीर्वाद मांगते हैं। सवाल यह है कि ऐसे में क्या मां सिद्धिदात्री सफलता का आशीर्वाद प्रदान करेंगी? मां यही संदेश दे रही हैं कि जो घर में साक्षात् मां सिद्धिदात्री हैं उनका सम्मान करें। उनका पूजन, सेवा और सम्मान करें। मां क्षमा की देवी होती हैं वह अपने संतान की हर गलती को माफ कर देती हैं। नवरात्र में जो व्यक्ति घर की मां सिद्धिदात्री का आशीर्वाद प्रदान कर लेता है उसका जीवन आनंदमय, सुखमय और शांतिमय बन जाता है। सफलता उसके कदम चूमती है।

आज सभी संकल्प करें कि घर के बुजुर्गों का सदा आदर, सम्मान करेंगे और सेवा का आशीर्वाद लेंगे। जो नारी के इस स्वरूप की इज्जत करता है उसके सिर पर सदा परमात्मा का आशीर्वाद बना रहता है। मां ने जीवनभर जो त्याग किया, सहन किया उनके ऋण को कभी चुका नहीं सकते हैं। दृढ़ प्रतिज्ञा करें कि अपनी मां को कभी दुख के आंसू नहीं देंगे। वही हमारे लिए सिद्धिदात्री है जो हर आशीर्वाद से भरपूर करेंगी।

मेडिटेशन : एकांत में बैठकर मां सिद्धिदात्री का स्मरण करते हुए अपने घर के बड़ों का सम्मान करने का संकल्प करें। विशेष घर की सिद्धिदात्री मां का आशीर्वाद लें। वह हमारी झोली सदा दुआओं से भरपूर कर देंगी। वह हमेशा सुखी जीवन व्यतीत करने का वरदान देती हैं। उनके आशीर्वाद से ही स्वर्ग लोक की प्राप्ति होती है। मां का यह स्वरूप सदा वंदनीय है, पूजनीय और सम्मानीय है।

चार दिवसीय सोशल मीडिया एन्फलुएंसर रिट्रीट आयोजित

सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा दे 'सोशल मीडिया'

- देशभर से 350 से अधिक एन्फलुएंसर ने लिया भाग
- समाज को बदलने में डिजिटल मीडिया की भूमिका विषय पर आयोजन

शिव आमंत्रण, आबूरोड, राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मनमोहिनीवन स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में मीडिया विंग, मीडिया एंड पीआर सर्विस के तहत सोशल मीडिया एन्फलुएंसर रिट्रीट आयोजित की गई। इसमें देशभर से 350 से अधिक एन्फलुएंसर ने भाग लिया। समाज को बदलने में डिजिटल मीडिया की भूमिका विषय पर आयोजित इस रिट्रीट में सुप्रसिद्ध सोशल मीडिया एन्फलुएंसर, एक्टर व मॉडल कुलदीप सिंघानिया, हेरिटेज फैशन ऑइकान अवार्ड से सम्मानित जाह्नवी सिंह, बलिया की अस्मिता सिंह, लखीमपुर के प्रसिद्ध सोशल मीडिया एन्फलुएंसर लव एवं सलोनी सहित अन्य जाने-माने सोशल मीडिया एन्फलुएंसर ने शिरकत की।

सबसे पहले खुद की पहचान जरूरी है

ब्रह्माकुमारीज़ की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके जयंती दीदी ने कहा कि आज हमारे पास पूरी दुनिया का ज्ञान है लेकिन खुद की ही वास्तविक पहचान नहीं है। मैं एक आत्मा हूं, इसे भूलने से हम अपने दैवी संस्कार भूल गए हैं। राजयोग मेडिटेशन से हमारी आत्मा की शक्ति बढ़ती है। राजयोग से हम खुद को बेहतर तरीके से पहचान पाते हैं। जब आपका जीवन आध्यात्मिक होगा तो आपके द्वारा क्रिएट कंटेंट भी स्प्रीचुअल होगा।

सोशल मीडिया से सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाएं

उप्र के प्रयागराज से आईं प्रधानमंत्री द्वारा हेरिटेज फैशन ऑइकान अवार्ड से सम्मानित सुप्रसिद्ध एन्फलुएंसर जाह्नवी सिंह ने कहा कि मैं सोशल मीडिया के माध्यम से हमारी संस्कृति, त्योहार, पर्व और शास्त्रों के प्रचार-प्रसार का कार्य करती हूं। मेरा मकसद है कि समाज में हमारी भारतीय पुरातन संस्कृति की महिमा, गरिमा और भव्यता को लोग जान सकें। सोशल मीडिया ऐसा प्लेटफार्म है जहां मनोरंजन के साथ हम लोगों को नई दिशा दे सकते हैं। हम सभी का दायित्व है कि हमारी सनातन सभ्यता, संस्कृति और अध्यात्म को आगे लेकर जाएं।

अध्यात्म से जीवन में चीजें देखने का नजरिया बदल जाता है : लव-सलोनी

लखीमपुर के प्रसिद्ध सोशल मीडिया एन्फलुएंसर लव एवं सलोनी ने कहा कि जब हम आध्यात्मिक जीवन जीने लगते हैं तो जीवन में कुछ चीजें अपने आप होने लगती हैं। अध्यात्म से हमारा देखने के नजरिया बदल जाता है। ब्रह्माकुमारीज़ की लाइफ स्टाइल, यहां का रहन-सहन, भोजन और वातावरण से हमें बहुत सीखने की जरूरत है। हम लोग सोशल मीडिया के जरिए मोटिवेशनल कंटेंट पर ही जोर देते हैं।

ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान की एक लाइन ने मेरा जीवन बदल दिया : कुलदीप सिंघानिया

शुभारंभ पर सुप्रसिद्ध सोशल मीडिया एन्फलुएंसर, एक्टर व मॉडल कुलदीप सिंघानिया ने कहा कि जब जीवन में संघर्ष और तनाव के दौर से गुजर रहा था, ऐसे में ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी की क्लासेस से आगे बढ़ने, तनाव से बाहर निकलने और सकारात्मक चिंतन की प्रेरणा मिली। ब्रह्माकुमारीज़ के आध्यात्मिक ज्ञान की एक लाइन से आपका जीवन कैसे बदल सकता है, इसका उदाहरण मैं खुद हूं। मैं 14 साल से इस आध्यात्मिक ज्ञान को सुन रहा हूं। मैं जब मुंबई गया तो कुछ वर्ष संघर्षपूर्ण रहे। 14 साल पहले मुझे एक फिल्म के लिए 25 लाख रुपए का ऑफर मिला था। उसमें स्मोक करने (नशे) का सीन करना था। जबकि मैंने जीवन में कभी भी सिगरेट, शराब, गुटखा का सेवन नहीं किया है। उस समय मैं ब्रह्माकुमारीज़ के मुंबई सेवाकेंद्र के संपर्क में था।

मैंने वहां ब्रह्माकुमारी दीदी को फिल्म के ऑफर के बारे में बताया और मार्गदर्शन लिया तो उन्होंने कहा कि कुलदीप आप पैसे तो जीवन में आगे भी कमा लोगे, लेकिन जो सिद्धांत, मूल्य एक बार छूट जाएंगे उन्हें कैसे वापिस लाओगे। यह बात मेरे अंतर्मन में समां गई। दीदी की प्रेरणा से मैंने मूल्यों और सिद्धांतों को चुना और फिल्म का ऑफर ठुकरा दिया। मैंने ऐसे समय में 25 लाख रुपये का ऑफर ठुकराया था, जब मेरे जीवन में एक-एक रुपये की अहमियत थी। दीदी की उस एक लाइन ने मेरे जीवन की दिशा बदल दी। तब से संकल्प किया है कि जिस काम से हमारे मूल्य खत्म होते हैं, ऐसी कमाई नहीं करनी है। मेरे लिए मूल्य और सिद्धांत सबसे ऊपर हैं। दुनिया को बेहतर बनाना और सेवा करना ही जीवन का संकल्प है। मैंने पैसे के साथ दुआएं और ब्लेसिंग भी कमाई हैं।

सोशल मीडिया से अध्यात्म का प्रचार-प्रसार करने की जरूरत है : डॉ. सिंह

समापन सत्र में उप्र वनारस के महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के निदेशक डॉ. नागेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि समाज के सामने ऐसा कंटेंट प्रस्तुत करते रहें कि वह सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा दे। समाज को भारत की गौरवशाली संस्कृति के दर्शन कराएं। हमें सोशल मीडिया के माध्यम से आध्यात्मिकता का प्रचार-प्रसार करने की जरूरत है। महाराष्ट्र पुणे के राष्ट्रीय पहलवान, एक्टर एवं फिटनेस मॉडल भूषण शिवतारे ने कहा कि शांत दिमाग से ही हम खेल में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। मेडिटेशन से हमारा दिमाग शांत होता है। खासकर खिलाड़ियों के लिए अध्यात्म और मेडिटेशन से सभी को जुड़ना चाहिए। यहां आकर अद्भुत शांति की अनुभूति हुई।

सही कंटेंट ही पोस्ट करें : अस्मिता सिंह

उप्र बलिया की प्रसिद्ध एन्फलुएंसर अस्मिता सिंह ने कहा कि कभी भी सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के पहले उसकी फैक्ट जांच कर लें कि वह कंटेंट सही है या नहीं। कभी भी फेंक कंटेंट को पोस्ट करने से बचें। यदि आप एन्फलुएंसर हैं तो आपकी जिम्मेदारी है कि लोगों तक सही, सत्य, विश्वसनीय जानकारी पहुंचाएं। ऐसी रिट्रीट में शामिल होकर हमारा जीवन जीने और सोचने का नजरिया बदल जाता है।

इन्होंने भी किया संबोधित

- सिरोही की जिला कलेक्टर अल्पा चौधरी ने कहा कि आप सभी की जिम्मेदारी है कि ऐसा कंटेंट बनाएं जिससे समाज को प्रेरणा, दिशा और सकारात्मकता मिल सके।
- माउंट आबू एसडीएम आईएएस डॉ. अंशु प्रिया ने कहा कि यहां से जब आप तीन दिन बाद बहुत कुछ सीखकर जाएंगे तो आपके जीवन में एक नया बदलाव होगा। माउंट आबू के लिए ब्रह्माकुमारीज़ धरोहर है।
- नई दिल्ली आईआईएमसी के पूर्व निदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि हमें जिम्मेदारी के साथ कंटेंट क्रिएट करना जरुरी है। हमारे कंटेंट से देश की संस्कृति, सभ्यता, अध्यात्म, योग को नई पहचान मिले।
- वनारस के एन्फलुएंसर अर्जुन पांडे ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के ऐसे आयोजन से लोगों को जीवन में नई दिशा, प्रेरणा और मार्गदर्शन मिलता है। आज अध्यात्म सबसे जरुरी है।
- जयपुर की एन्फलुएंसर राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त कोमल गुदान ने कहा कि मेरे लिए यह रिट्रीट जीवन की एक नई यात्रा है। यहां आकर जीवन की अनेक उलझनों का समाधान मिल गया। यहां जो खुशी मिली वह शब्दों में बयां नहीं कर सकती हूं।
- अतिरिक्त महासचिव डॉ. बीके मृत्युंजय भाई ने कहा कि एन्फलुएंसर के जीवन में यदि दिव्यता, महानता होगी तो आप सभी जो कंटेंट बनाएंगे उससे समाज में परिवर्तन आएगा। आपके प्रयासों से स्वर्णिम दुनिया की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका है।
- अतिरिक्त महासचिव बीके करुणा भाई ने कहा कि आप सभी यहां से शांति, प्रेम, आनंद की अनुभूति और संदेश लेकर जाएं। योग-अध्यात्म को बढ़ावा देने में भी सहयोग करते रहें।
- जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार राजेश असनानी ने कहा कि अब मास मीडिया से सोशल मीडिया एन्फलुएंसर के हाथों में समाज को दिशा देनी की जिम्मेदारी जा रही है। ब्रह्माकुमारीज़ के आध्यात्मिक ज्ञान का बहुत बड़ा योगदान है।
- पीआरओ व रिट्रीट के आयोजक बीके कोमल ने कहा कि यदि हमारे कंटेंट से दस लोगों को भी जीवन में नई प्रेरणा मिलती है तो हमारा कंटेंट डालना, वीडियो बनाना, रील बनाना सफल है। अपना जीवन सकारात्मक और प्रेरक बनाएं।
- बीके डॉ. सविता दीदी ने राजयोग मेडिटेशन से गहन शांति की अनुभूति कराई। गुरुग्राम के ओम शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशिका बीके आशा दीदी, बीके विधात्री बहन, मुंबई की क्रिएटिव डायरेक्टर नीता थडानी, माखनलाल विवि भोपाल के सहायक प्राध्यापक लोकेंद्र सिंह, मीडिया विंग के राष्ट्रीय समन्वयक बीके सुशांत भाई, सोशल मीडिया समन्वयक बीके रोहित भाई ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन डॉ. बीके रीना दीदी और बीके पल्लवी बहन ने किया।
- पावर ऑफ डिजिटल एन्फलुएंस विषय पर वरिष्ठ राजयोगी बीके सूरज भाई, द सीक्रेट इन्ग्रीडिएंट फॉर क्रिएटिव एक्सीलेंस विषय पर प्रो. डॉ. स्वामीनाथन भाई, एल्गोरिदम विषय पर कार्पोरेट ट्रेनर बीके रितु बहन और डॉ. बीके दामिनी बहन ने राजयोग मेडिटेशन सेशन लिए।

राष्ट्रीय डिजाइन एवं इनोवेशन सम्मेलन आयोजित, डिजाइन योर डेस्टिनी विषय हुआ सम्मेलन

ऐसे विश्व की रचना करना होगी जिसमें सुख-शांति हो

देशभर से 350 से अधिक डिजाइनर्स एवं इनोवेटर्स ने लिया भाग

शिव आमंत्रण, आबूरोड (राजस्थान)।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मनमोहिनीवन स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय डिजाइन एवं इनोवेशन सम्मेलन आयोजित किया गया। डिजाइन योर डेस्टिनी विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में देशभर से 350 से अधिक डिजाइनर्स, इनोवेटर्स और क्रिएटिव प्रोफेशनल्स ने भाग लिया। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया।

वर्ल्ड डिजाइन आर्गनाइजेशन के अध्यक्ष प्रद्युम्न व्यास ने कहा कि जीवन में आध्यात्मिकता का सबसे बड़ा योगदान है। यदि जीवन में अध्यात्म है तो जीवन बेहतर डिजाइन हो जाता है। हमारे कर्मों में इनोवेशन आ जाता है। अध्यात्म से काम, क्रोध, लोभ, मोह नियंत्रित में रहता है। हमें ऐसे विश्व की रचना करना होगी जिसमें सुख और शांति हो। डिजाइन और इनोवेशन से हमने भौतिक रूप से तो तरक्की की है, लेकिन पृथ्वी को संकट में डाल दिया है, हम प्रकृति से दूर हो गए हैं। आज हर चीज यूज एंड थ्रो है। इस मानसिकता का परिणाम है कि रिलेशनशिप में भी यूज एंड थ्रो के आधार पर चल रहे हैं। हमें फिर से प्रकृति की ओर लौटना पड़ेगा और मानवता को बढ़ाना होगा।

शुभारंभ पर अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके जयंती दीदी ने कहा कि जब जीवन में अहंकार आता है तो उसके पीछे काम, क्रोध, लोभ, मोह भी आ जाते हैं। आज हम खुद को भूल गए हैं। वास्तव में मैं एक चेतन्य शक्ति आत्मा हूं। मैं शांत स्वरूप, शक्ति स्वरूप आत्मा हूं। वसुधैव कुटुम्बकम् सिर्फ एक वाक्य या नारा नहीं है यह हमारी संस्कृति है। आंतरिक मन की शांति से रियल क्रिएटिविटी होती है।

क्रिएटिविटी और स्प्रीचुअलिटी आपस में कनेक्टेड हैं

नई दिल्ली की लिपिका सूद इंटीरियर्स प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक एवं डिज़ाइनर लिपिका सूद ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ में पहली बार डिजाइन एवं इनोवेशन पर सम्मेलन हो रहा है। यहां आकर बहुत खुशी हो रही है। क्रिएटिविटी और स्प्रीचुअलिटी आपस में कनेक्टेड हैं। अहमदाबाद के जीएलएस इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन के निदेशक अनिल सिन्हा ने कहा कि यदि हमारे जीवन में आध्यात्मिकता होगी तो हमारा क्रिएशन बेहतर होगा। हमारे पास बेहतर आइडिया आते हैं।

इनोवेशन स्वर्णिम दुनिया की झलक दिखा रहे

अतिरिक्त महासचिव राजयोगी बीके करुणा भाई ने कहा कि आज जो डिजाइन के इनोवेशन हो रहे हैं, हमें प्रकृति से दूर कर रहे हैं। आज के कई इनोवेशन आने वाली स्वर्णिम दुनिया की झलक के दर्शन करा रहे हैं। अतिरिक्त महासचिव राजयोगी डॉ. बीके मृत्युंजय भाई ने कहा कि आज तेजी से नए-नए इनोवेशन हो रहे हैं। तेजी से बदलते इस दौर में हम क्रिएशन और इनोवेशन के चक्कर में अपनी परंपरा, संस्कृति और सभ्यता को भूलते जा रहे हैं।

खुशी मन से क्रिएशन में आती है क्रिएटिविटी

डिजाइन एवं इनोवेशन सेवा की उपाध्यक्ष बीके दिव्यप्रभा दीदी ने कहा कि जब हमारा मन बहुत खुश और आनंद में होता है और ऐसे समय में हम कुछ नया डिजाइन और क्रिएशन करते हैं तो वह सबसे बेहतर होता है। पुणे की बीके लक्ष्मी बहन ने संस्था का परिचय दिया। उत्तराखंड की प्रसिद्ध डांसर आयुषी देवरानी ने नृत्य पेश किया। बीके सविता बहन, बीके रुपम ने सम्मेलन के बारे में जानकारी दी। मुंबई की बीके संगीता बहन ने मंच संचालन किया।

65 दिन में 55 गांव और 50 स्कूल किए कवर

20000 पौधे रोपे

- ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से ढाई महीने तक चलाया गया वृक्षवंदन पौधारोपण अभियान
- निजी-सरकारी स्कूल, किसान, ग्राम पंचायत के साथ मिलकर किया पौधारोपण

14 स्थान से पौधे बांटे, पांच टीमों ने अभियान को सफल बनाया

शिव आमंत्रण, आबूरोड (राजस्थान)।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान की ओर से चलाए गए वृक्षवंदन पौधारोपण अभियान के तहत 65 दिन में आबू रोड सहित आसपास के 55 गांवों को कवर किया गया। इसके तहत 50 निजी व सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों के साथ मिलकर 20 हजार से अधिक पौधे लगाए गए। अभियान को सफल बनाने के लिए पांच टीमें बनाईं गई थीं। आमजन और किसानों को 14 जंक्शन पाइंट से पौधे वितरित किए और पौधारोपण किया गया।

वृक्षवंदन अभियान की डॉ. जमिला बहन ने बताया कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर अभियान की शुरुआत की गई थी। तब से लेकर भाई-बहनें पूरे उमंग-उत्साह के साथ गांव-गांव जाकर किसानों, आमजन के साथ पौधारोपण किया। साथ ही सभी को पौधों की रक्षा करने का संकल्प कराया गया। समापन 25 अगस्त को पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के 18वें पुण्य स्मृति दिवस पर किया गया।

गांव-गांव किसानों को बांटे फलदार पौधे

अभियान के तहत गांव-गांव जाकर किसानों को फलदार पौधे वितरित किए जा रहे हैं। साथ ही मौके पर ही पौधारोपण कर उनकी सुरक्षा करने का संकल्प कराया जा रहा है। इसके अलावा कई ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव के साथ मिलकर अभियान को चलाया जा रहा है। अभियान के समापन के बाद भी लगाए गए पौधों की मॉनिटरिंग की जाएगी और जो व्यक्ति उन्हें सुरक्षित रखेगा उनका सम्मान किया जाएगा।

तीन साल से चलाया जा रहा है वृक्षवंदन अभियान

वृक्षवंदन अभियान के तहत संस्थान द्वारा आबूरोड सहित आसपांस के गांवों, सरकारी संस्थाओं, स्कूलों के माध्यम से 20 हजार फलदार, छायादार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया था, जिसे समय से पूर्व पूरा कर लिया गया। दें कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा लगातार पिछले तीन साल से बारिश के मौसम में वृक्षवंदन अभियान चलाकर पौधारोपण किया जाता है। साथ ही लोगों को पर्यावरण का महत्व बताते हुए उसकी रक्षा करने का संकल्प कराया जाता है। अभियान को सफल बनाने में मुख्य रुप से तपोवन के बीके लल्लन भाई, बीके महिमा बहन, बीके चंद्रेश भाई, बीके मोहन भाई, मानपुर की बीके सीमा बहन, बीके गीता बहन सहित अन्य भाई-बहनों का सराहनीय योगदान रहा है।

संपादकीय

आस्था के साथ आत्मशुद्धि का पर्व है गणेश चतुर्थी

गणेश चतुर्थी केवल भगवान श्री गणेश के आगमन का उत्सव नहीं, बल्कि हमारे अंतर्मन को अवरोधों से मुक्त करने का एक आध्यात्मिक अवसर भी है। गणपति का अर्थ है-सर्वगुण संपन्न, सबके नेता, और विघ्नहर्ता। वे केवल बाहरी विघ्न नहीं हटाते, बल्कि हमारी सोच, भावनाओं और कर्मों में छिपे अहंकार, क्रोध, लोभ और आलस्य जैसे आंतरिक अवरोधों को भी दूर करने की प्रेरणा देते हैं। गणेशजी का बड़ा मस्तक विवेकपूर्ण चिंतन की याद दिलाता है। बड़े कान हमें सत्संग और श्रेष्ठ ज्ञान सुनने की प्रेरणा देते हैं। छोटी आंखें एकाग्रता और सूक्ष्म दृष्टि का भाव सिखाती हैं। जबकि छोटा मुख कम बोलने और मधुर वाणी का संदेश देता है। उनका एक दांत हमें जीवन में सहनशीलता और अपूर्णताओं को स्वीकार करने का भाव सिखाता है। गणेश चतुर्थी का सच्चा उत्सव तब होगा जब हम बाहरी पूजा के साथ-साथ मन की भी सफाई करें। जैसे गणपति का विसर्जन हमें याद दिलाता है कि सब कुछ नश्वर है। वैसे ही हमें अपने भीतर के नकारात्मक संस्कारों का भी विसर्जन करना चाहिए और ईश्वरीय स्मृति से जीवन को पवित्र बनाना चाहिए। यह पर्व हमें सिखाता है कि सच्ची भक्ति केवल मंदिरों में दीप जलाने से नहीं, बल्कि आत्मा में सद्गुणों के दीप प्रज्वलित करने से होती है। इस अवसर पर संकल्प लें कि हम हर परिस्थिति में सकारात्मक सोचेंगे, परमात्मा शिव के सच्चे ज्ञान से अपने जीवन को भरपूर करेंगे और दूसरों के लिए भी सुख-शांति का कारण बनेंगे। यही गणेश चतुर्थी का आध्यात्मिक उत्सव है- जहां विघ्न दूर होते हैं और आत्मा ईश्वरीय प्रेम से भर जाती है।

बोध कथा/जीवन की सीख

सच्चा रत्न

एक समय की बात है। एक छोटे से गांव में मोहन नाम का युवक रहता था। वह गरीब था, लेकिन दिल से बहुत नेक और मेहनती। उसका सपना था कि उसके पास एक ऐसा रत्न हो जो उसकी सारी परेशानियां खत्म कर दे और जीवन खुशियों से भर जाए। वह गांव-गांव घूमकर पूछता, "क्या किसी ने सुना है कि कहां कोई अमूल्य रत्न मिलता है?"

लेकिन हर जगह से उसे निराशा ही मिलती। एक दिन जंगल के रास्ते में उसकी मुलाकात एक बूढ़े संत से हुई। संत ने उसकी व्याकुलता देखी और मुस्कुराकर कहा,"बेटा, जिस रत्न की तुम खोज में हो, वह तुम्हारे पास ही है।" मोहन आश्चर्यचकित हुआ – "मेरे पास? लेकिन मैं तो खाली हाथ हूं! मेरे पास तो न धन है, न जवाहरात।" संत ने उसे पास के एक शांत तालाब के किनारे ले जाकर कहा, "इसमें देखो और बताओ, तुम्हें क्या दिखता है।"

मोहन ने पानी में झांका, तो उसमें उसे अपना ही चेहरा दिखाई दिया। संत ने कहा, "यही है वह रत्न। तुम स्वयं ही सबसे कीमती हो। असली खजाना बाहर नहीं, भीतर है—तुम्हारे विचार, तुम्हारी पवित्रता और तुम्हारा सच्चा चरित्र।" संत ने आगे समझाया, "ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान में परमात्मा हमें यही सिखाते हैं कि आत्मा ही सबसे कीमती रत्न है। यदि तुम अपने विचारों को पवित्र, कर्मों को श्रेष्ठ और भावनाओं को सच्चा बना लो, तो संसार का कोई भी खजाना तुम्हारे सामने छोटा है। परमात्मा शिव इस युग में हमें अपने ज्ञान और शक्तियों से सजाकर अमूल्य रत्न बना रहे हैं। जो आत्मा परमात्मा से योग में जुड़ती है, वह गुण, शक्ति और शांति का खजाना बन जाती है।" मोहन ने उस दिन से अपने जीवन का लक्ष्य बदल दिया। उसने बाहरी संपत्ति की जगह आंतरिक गुणों के अर्जन पर ध्यान देना शुरू किया। सेवा, प्रेम, और सत्य के मार्ग पर चलते हुए उसने अपने विचारों को निर्मल और कर्मों को श्रेष्ठ बना लिया। समय के साथ उसका जीवन इतना उज्ज्वल और सुखमय हो गया कि लोग दूर-दूर से उससे प्रेरणा लेने आने लगे।

संदेश: हम अक्सर बाहरी सुख-संपत्ति की खोज में भटकते हैं, पर असली रत्न हमारी आत्मा की पवित्रता और परमात्मा से जुड़ाव है। जब हम भीतर के रत्न को पहचान कर उसे परमात्मा के ज्ञान और योग से चमकाते हैं, तो जीवन में सच्ची शांति, सम्पन्नता और आनंद अपने आप आ जाते हैं। यही है सच्ची सफलता और अमूल्य धन।

मेरी कलम से

लोकेन्द्र सिंह, सहायक प्राध्यापक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल

आत्म स्वरूप से साक्षात्कार का अवसर और नए सफर की शुरुआत...

यहां शांति, सकारात्मकता और आत्मबल की महत्ता को महसूस किया

शिव आमंत्रण, आबूरोड। ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय शांतिवन में 30 जुलाई से 3 अगस्त 2025 तक आयोजित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स रिट्रीट में यहां आने का अवसर मिला। जब मैं इस आयोजन के लिए भोपाल से प्रस्थान कर रहा था तब हृदय में उत्साह था, मन में जिज्ञासा और आत्मा कहीं भीतर से एक नए अनुभव के लिए पुकार रही थी। इस यात्रा का उद्देश्य मात्र एक 'रिट्रीट' में भाग लेना नहीं था, बल्कि अपने भीतर छुपी उस नीरव शांति को खोज पाना था, जिसे रोज़मर्रा की भागदौड़ ने जैसे ढंक लिया है। यकीनन, मेरे लिए यह आयोजन 'सोशल मीडिया रिट्रीट' से कहीं अधिक स्वयं से साक्षात्कार का अवसर बन गया। मनमोहिनी परिसर में प्रवेश करते ही आध्यात्मिक ऊर्जा की अनुभूति हुई। यह आयोजन मेरे जीवन का एक ऐसा अनमोल अनुभव बना जिसने मेरी सोच, दृष्टिकोण और आत्मिक ऊर्जा को एक नया आयाम दिया। यहाँ से आध्यात्मिक चेतना से जुड़ने की दिशा में एक नये सफर की शुरुआत करने का प्रयास रहेगा। यह रिट्रीट एक आध्यात्मिक यात्रा थी, जिसने जीवन में शांति, सकारात्मकता और आत्मबल की महत्ता को गहराई से महसूस कराया। इस अनुभव से मुझे यह सीखने को मिला कि डिजिटल दुनिया में रहते हुए भी हम अपने संस्कारों, मूल्य प्रणाली और आत्मिक शांति को बनाए रख सकते हैं तथा सोशल मीडिया को समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बना सकते हैं।

शांत वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का स्पर्शः मनमोहिनी परिसर के वातावरण में व्याप्त शांति, पवित्रता और आध्यात्मिक ऊर्जा ने अंतर्मन को स्पर्श किया। वातावरण में फैली पवित्रता, चेहरे पर बसी सहज मुस्कानें, और चारों ओर छाई शांति मानो समय वहीं थम गया हो। यहां महसूस हुआ कि शांति हमारी आत्मा का स्वाभाविक गुण है, जिसे हम भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवन में कहीं खो देते हैं। इस रिट्रीट में प्रतिदिन प्रातः 3:30 बजे अमृत बेला में उठकर राजयोग साधना करना एक अनूठा अनुभव रहा। उस मौन एवं पवित्र वातावरण में ईश्वर की ऊर्जा से जुड़ना, आत्मचिंतन करना और स्वयं से साक्षात्कार करना, आत्मबल को नई दिशा देने जैसा था। हम जीवन की आपाधापी में कभी स्वयं से संवाद ही नहीं करते हैं कि "मैं कौन हूँ?" यह अवसर था जब यह प्रश्न बार-बार स्वयं से पूछा कि मैं कौन हूँ और इस संसार में मेरी भूमिका क्या है? ईश्वर ने जो कौशल, ज्ञान और भूमिका मुझे सौंपी है, उसमें बेहतर कैसे किया जा सकता है? आत्मा के स्वरूप और उसके सात तत्वों- शांति, ज्ञान, पवित्रता, सुख, शक्ति, आनंद और प्रेम का परिचय प्राप्त हुआ।

सीख और प्रेरणाः ब्रह्माकुमारी बहनों और भाईयों द्वारा दिए गए प्रबोधन आंखें खोलने वाले थे। चर्चाओं में इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया कि सोशल मीडिया पर हमें कैसा कंटेंट बनाना चाहिए, हमारी ज़िम्मेदारी क्या है और हम अपनी डिजिटल उपस्थिति से समाज में सकारात्मक बदलाव कैसे ला सकते हैं।

परमात्म सत्ता के सानिध्य में जीवात्मा का अस्तित्व

जीवन का मनोविज्ञान

भाग - 86

- डॉ. अजय शुक्ला, बिहेवियर साइंटिस्ट
गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्प्रीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

चेतना की गतिशीलता की ओर उन्मुख पुरुषार्थी - स्वयं की शिक्षा एवं दीक्षा को अनुभव की प्रामाणिकता के संदर्भ और प्रसंग में स्थापित करके नीर-क्षीर, विवेक का अनुसरण सुनिश्चित करता है. जिसमें श्रेष्ठ, शुभ एवं पवित्र स्मृतियों को धरोहर के स्वरूप में संजोकर सार्थकता की सिद्धि हेतु चेतनता के सानिध्य द्वारा नित नूतन विमर्श में संलग्न हो जाता है। आत्मिक परिवेश की गूढ़ता को भगीरथ पुरुषार्थ द्वारा उच्चतम स्मृतियों के व्यापक परिदृश्य में प्रविष्ठ होकर अजपाजाप से आत्मगत चेतना को नियमित रूप से नैसर्गिक सलाह प्रदान करते रहते हैं, जिसमें जप की व्यवस्थित प्रक्रिया जीवात्मा के जीवन काल का अभ्यास बन जाता है। नैसर्गिक परिदृश्य की गहन साधना से जप-तप के धारणात्मक और क्रियान्वित स्वरूप को पूर्णतः निर्धारित तथा सुनिश्चित परिणाम तक पहुंचाया जा सकता है, जिसमें जीवात्मा के अस्तित्व को परमात्म सत्ता के सानिध्य में अनवरत रूप से गतिशील किया जाना आवश्यक होता है।

आत्म अनुभूति में नैसर्गिक परिदृश्यः चेतना की व्यापकता का परिदृश्य ही जीवात्मा को आत्मानुभूति के केन्द्र में स्थापित करता है जिसमें आत्मगत स्वमान, स्वरूप एवं स्वभाव का वास्तविक प्रतिबिम्ब, नैसर्गिक परिदृश्य द्वारा आत्मिक साक्षात्कार का महत्वपूर्ण आधार बन जाता है। जीवात्मा के अस्तित्व गुण के कारण ही विशिष्ट परिवेश का आन्तरिक निर्माण चेतना के उर्ध्वगामी चिंतन द्वारा सुनिश्चित होता है जिसमें आत्मगत चेतना स्वयं के प्रति चेतनता से युक्त रहने की स्थिति में अधिकतर उच्चतम परिवेश में ही विराजमान रहती है जो आत्मा की नैसर्गिकता का प्रामाणिक पक्ष होता है। आत्मज्ञान की पक्षधरता से जुड़े विविध दृष्टांत आत्मानुभूति में नैसर्गिक परिदृश्य को ही महत्वपूर्ण घटक के रूप में स्वीकार करते हैं, जिसमें स्वयं की बोधगम्यता का गहन स्वरूप विद्यमान होता है जो निमित्त, निर्माण, निर्मल एवं निर्वाण की सूक्ष्म गतिशीलता के अंतर्संबंधों को ही अभिव्यक्त करता है। स्वयं की अनुभूति, आत्म जागृति की श्रेष्ठतम अवस्था है जो आत्मिक परिदृश्य को परिवर्तित करके महानतम स्वरूप में रूपान्तरित कर देती है जहां से चेतना की पवित्रता का आभामंडल स्वमेव ही आलोकित होकर सर्व मानव आत्माओं के कल्याण में संलग्न हो जाता है। आत्मा के परिमार्जन से परिष्कार की दीर्घकालीन साधना अतीत, आगत एवं अनंत से सम्बन्धित स्वरूप को जब जीवात्मा की गुणात्मक संरचना के माध्यम से स्थायित्व प्रदान करती है, तब दिव्य गुणों एवं शक्तियों की उपादेयता का सम्मिश्रण नैसर्गिक स्वरूप में विद्यमान रहता है।

परिमार्जित चेतना से गहन साधना : जीवात्मा द्वारा निजता के परिवर्तन में प्राप्त होने वाले सुखद परिणाम से चेतना की परिमार्जित स्थिति को निर्मित किया जाता है जिससे आत्मा परिवर्धन अर्थात विकसित अवस्था से गतिशील होते हुए गहन साधना में आत्मगत अस्तित्व को संलग्न करके परिष्कृत स्वरूप में स्वयं को प्रतिपादित किया जाना सुनिश्चित हो जाता है । साधना के पथ पर साधक का तीव्र पुरुषार्थी स्वरूप , परिमार्जित चेतना से किये जाने वाले गहनतम त्याग एवं तपस्या का उच्चतम आयाम है जिसमें आत्मिक उत्थान और उत्सर्ग के लिए आधारभूत श्रेष्ठता विद्यमान रहती है।

भगीरथ पुरुषार्थ द्वारा जप-तप

आत्मगत चेतना का चिंतनशील पक्ष आध्यात्मिकता की विरासत में जब स्वयं को ढूंढ़ने की चेष्टा करता है तब आत्मिक पुरुषार्थ की व्यावहारिकता प्रकट होती है जिसमें नियम - संयम से गतिशील होते हुए जप-तप की अवधारणा को आत्मसात करने हेतु विशेष आत्मा की पवित्रता का जतन किया जाता है। जीवन के गुणात्मक अनुक्रम में जागृत एवं चात्रक मनोभाव जीवात्मा के अनुष्ठान से सृजित धर्म और कर्म की सहभागिता को स्वीकार करते हुए स्वयं को विधिवत स्वरूप में समझने तथा सीखने की प्रक्रिया को महत्व प्रदान करते हुए अनुभवी बन जाने की ओर अग्रसर हो जाते हैं। चेतना की गतिशीलता की ओर उन्मुख पुरुषार्थी स्वयं की शिक्षा एवं दीक्षा को अनुभव की प्रामाणिकता के संदर्भ और प्रसंग में स्थापित करके, नीर-क्षीर विवेक का अनुसरण सुनिश्चित करता है जिसमें श्रेष्ठ, शुभ एवं पवित्र स्मृतियों को धरोहर के स्वरूप में संजोकर सार्थकता की सिद्धि हेतु चेतनता के सानिध्य द्वारा नित-नूतन विमर्श में संलग्न हो जाता है। आत्मिक परिवेश की गूढ़ता को भगीरथ पुरुषार्थ द्वारा उच्चतम स्मृतियों के व्यापक परिदृश्य में प्रविष्ठ होकर 'अजपा-जाप ' से आत्मगत चेतना को नियमित रूप से नैसर्गिक सलाह प्रदान करते रहते हैं, जिसमें जप की व्यवस्थित प्रक्रिया जीवात्मा के जीवन काल का अभ्यास बन जाता है। नैसर्गिक परिदृश्य की गहन साधना से जप - तप के धारणात्मक और क्रियान्वित स्वरूप को पूर्णतः निर्धारित तथा सुनिश्चित परिणाम तक पहुंचाया जा सकता है, जिसमें जीवात्मा के अस्तित्व को परमात्म सत्ता के सानिध्य में अनवरत रूप से गतिशील किया जाना आवश्यक होता है ।

"शिक्षा का लक्ष्य सांसारिक सुखों को प्राप्त करना नहीं, बल्कि आत्मा को शिक्षित करना है।"

- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

"आपका जीवन तभी सफल हो सकता है जब आपका निश्चित लक्ष्य हो और आप उनके लिए पूरी तरह से समर्पित हो।"

- शहीद-ए-आजम भगत सिंह

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को ब्रह्माकुमारी बहनों ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर संस्थान द्वारा की जा रही सेवाओं के बारे में बताया। इस दौरान उन्होंने माउंट आबू के अपने अनुभव सांझा किए।

नई दिल्ली। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को बीके प्रभा दीदी ने उनके आवास पर परमात्म रक्षासूत्र बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने संस्थान द्वारा की जा रही सेवाओं की सराहना की।

नई दिल्ली। भारत सरकार के केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा जहाजरानी मंत्री नितिन गडकरी को परमात्म रक्षासूत्र बांधते हुए बीके निकिता बहन। इस दौरान बीके हुसैन बहन और बीके सुनैना बहन भी मौजूद रहीं।

नई दिल्ली। भारत सरकार के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को बीके सुनैना बहन, बीके येशु बहन और निकिता बहन ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर शुभकामनाएं दीं। बीके भीम, बीके नीरज भी मौजूद रहे।

नई दिल्ली। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा को ब्रह्माकुमारी बहनों ने रक्षासूत्र बांधकर परमात्मा शिव का स्मृति चिंह भेंट किया। इस दौरान बीके प्रकाश भाई भी मौजूद रहे।

नई दिल्ली। भारत सरकार के केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग समूह मंत्री चिराग पासवान को परमात्म रक्षासूत्र बांधकर ग्रुप फोटो में ब्रह्माकुमार भाई-बहनें। इस दौरान मंत्री पासवान को माउंट आबू आने का भी निमंत्रण दिया।

नई दिल्ली। भारत सरकार के केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को बीके हुसैन बहन, बीके सुनैना बहन और बीके फलक पहन ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर संस्थान की सेवाओं के बारे में बताया।

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को ब्रह्माकुमारी बहनों ने परमात्म रक्षासूत्र बांधा।

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव गणपतराव जाधव को राखी बांधते हुए बीके निकिता बहन।

नई दिल्ली। भारत सरकार के केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन किंजरापु नायडू को परमात्म रक्षासूत्र बांधते हुए बीके निकिता बहन।

नई दिल्ली। भारत सरकार के केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी को बीके निकिता बहन, बीके सुनैना बहन ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर परमात्मा का स्मृति चिंह भेंट किया और राजयोग मेडिटेशन पर चर्चा की।

गया, बिहार। केंदीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी को राखी बांधते हुए कॉलोनी केंद्र संचालिका सुनीता दीदी।

नई दिल्ली। भारत सरकार की केंदीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर को रक्षासूत्र बांधते हुए बीके सुनैना बहन।

नई दिल्ली। भारत सरकार के केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग कैबिनेट मंत्री सर्बानंद सोनोवाल को रक्षासूत्र बांधते बीके सुनैना बहन।

नई दिल्ली। संसद सदस्य व पूर्व केंदीय मंत्री अनुराग ठाकुर को बीके हुसैन बहन, बीके विधात्री बहन ने राखी बांधी। इस दौरान माउंट आबू से वरिष्ठ राजयोगी बीके प्रकाश भाई ने परमात्मा का स्मृति चिंह भेंट किया।

नई दिल्ली। भारत सरकार की केंदीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी को बीके फलक बहन, बीके विधात्री बहन ने रक्षासूत्र बांधा।

बैतूल, मप्र। भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री डीडी उइके को बीके सुनीता दीदी और बीके मंजू दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधा।

नई दिल्ली। भारत सरकार के केंदीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन को परमात्म रक्षासूत्र बांधते हुए बीके सुनैना बहन।

लखनऊ, उप्र। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को लखनऊ के सेवाकेंद्रों की प्रभारी बीके राधा दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधा। इस मौके पर बीके चारू बहन, बीके स्वर्णलता बहन, बीके शिक्षा बहन, बीके रवीन्द्र भाई, बीके भूपेन्द्र भाई व बीके गौरव भाई भी मौजूद रहे।

भोपाल, मप्र । राज्यपाल मंगु भाई पटेल को रक्षाबंधन पर ब्लेसिंग हाउस सेवाकेंद्र की प्रभारी डॉ. बीके रीना दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर ज्ञान चर्चा की। इस दौरान सिंगरौली रिट्रीट सेंटर की निदेशिका बीके शोभा दीदी, बीके सरिता दीदी, बीके दीपेंद्र भाई, बीके राहुल भाई भी मौजूद रहे।

जयपुर, राजस्थान। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े को बीके चंद्रकला दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर ब्रह्माकुमारीज द्वारा की जा रही सेवाओं के बारे में बताया। साथ ही राजयोग मेडिटेशन पर चर्चा की। इस मौके पर महाराष्ट्र से आए डॉ. बीके दीपक हरके एवं बीके जयंती दीदी भी मौजूद रहीं।

कोलकाता, पश्चिम बंगाल। राज्यपाल डॉ. सी. वी. आनंद बोस से कोलकाता संग्रहालय की ब्रह्माकुमारी बहनों ने रक्षासूत्र बांधा। पूर्वी क्षेत्र मुख्यालय की प्रभारी बीके कानन दीदी ने राज्यपाल को वैश्विक शिखर सम्मेलन के लिए निमंत्रण भी दिया। बीके अंजलि बहन, बीके मंजूषा बहन, बीके प्रमिला शारदा भी उपस्थित रहीं।

विजयवाड़ा, आंध्रप्रदेश । राज्यपाल एचई अब्दुल नजीर को यूनिवर्सल पीस रिट्रीट सेंटर की निदेशिका बीके शांता, विजयवाड़ा द्वारा। बीके बहनें और भाई ..बीके पद्मजा, नागमणि, रत्ना कुमारी, दामोदर और श्रीनिवास भी नजर आ रहे हैं। राज्यपाल ने आंध्र प्रदेश में नशा मुक्ति अभियान शुरू करने की भी बात कही।

परमात्म

प्रधानमंत्री से ले

राज्यपाल, मंत्रिय

नई दिल्ली। पीएमओ कार्यालय में ओम शांति रिट्री
संस्थान के महिला प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी बी
शुक्ला दीदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को परमात्म रक्ष
की जा रहीं सामाजिक सेवाओं के बारे में बताया। इ
विशेष रूप से मौजूद रहीं। प्रधानमंत्री ने सभ

पटना, बिहार। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान बीके संगीता दीदी, बीके सविता दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर ईश्वरीय सौगात प्रदान की। साथ ही संस्थान द्वारा प्रदेश में की जा रही सामाजिक सेवाओं के बारे में बताया। इस दौरान राज्यपाल ने ब्रह्माकुमारी बहनों की सेवाओं को सराहा।

शिमला, हिमाचल प्रदेश । राज्यपाल प्रताप शुक्ला को बीके रजनी बहन, बीके सुनीता ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर आध्यात्मिक ज्ञान चर्चा की। साथ ही संस्थान द्वारा सिखाए जाने वाले राजयोग मेडिटेशन के बारे में राज्यपाल को बताया। इस मौके पर बीके भारत भूषण भाई और बीके सुरेश भाई भी मौजूद रहे।

गोवा, पणजी । राज्यपाल पशुपति गजपति अशोक राजू और उनकी धर्मपत्नी को राजभवन में बीके शोभा दीदी, बीके सुरेखा दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताया। साथ ही संस्थान द्वारा की जा रहीं सेवाओं के बारे में चर्चा की।

देहरादून, उत्तराखण्ड। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह और विधान सभा की अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूरी को बीके मीना दीदी, बीके मंजू दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर ब्रह्माकुमारीज के मुख्यालय माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया। साथ ही संस्थान की सेवाओं के बारे में बताया।

ग्वालियर, मप्र। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर को लश्कर सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके आदर्श दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर संस्थान की सेवाओं के बारे में बताया। इस मौके पर बीके सुरभि बहन और बीके प्रहलाद भाई भी मौजूद रहे।

चैन्नई, तमिलनाडु। राज्यपाल आरएन रवि को बीके बीना बहन, बीके मुथुमणि बहन, बीके देवी बहन ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर मुख्यालय माउंट आबू में अक्टूबर में वैश्विक एकता और विश्वास विषय पर होने वाले वैश्विक शिखर सम्मेलन 2025 के लिए आमंत्रित किया। राज्यपाल ने संस्थान की सेवाओं की सराहना की।

रांची, झारखंड। राजभवन में राज्यपाल संतोष गंगवार को बीके निर्मला बहन, बीके इन्दु बहन ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर परमात्मा का स्मृति चिंह भेंट किया। साथ ही संस्थान की सेवाओं के बारे में बताया। राज्यपाल ने ब्रह्माकुमारीज की सराहना करते हुए सेवाओं को समाज उपयोगी बताया। बीके प्रदीप भाई भी मौजूद रहे।

आगर-मालवा, मप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आगर मालवा जिले में रक्षाबंधन का पर्व मनाने पहुंचे। इस दौरान विभिन्न संस्थाओं से पहुंची बहनों ने उन्हें राखी बांधी। इस मौके पर संचालिका बीके किरण दीदी ने भी मुख्यमंत्री को परमात्म रक्षासूत्र बांधकर माउंट आबू में होने वाली ग्लोबल समिट में आने का निमंत्रण दिया।

जयपुर, राजस्थान। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को जयपुर सबजोन की बीके चंद्रकला दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा की जा रहीं सेवाओं के बारे में बताया। इस मौके प बीके डॉ. दीपक हरके एवं बीके जयंती दीदी भी मौजूद रहीं।

श्रीक्षेत्र देवगांव शनि, महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को श्रीक्षेत्र देवगांव शनि में सोनई, राहूरी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके ऊषा दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर शुभकामनाएं दीं। साथ ही संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू आने का भी निमंत्रण दिया।

रक्षासूत्र

...कर मुख्यमंत्री, ...ों को बांधी राखी

...ट सेंटर गुरुग्राम की निदेशिका बीके आशा दीदी, ...क चक्रधारी दीदी और वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके ...सूत्र बांधकर शुभकामनाएं दीं। साथ ही संस्थान द्वारा ...स मौके पर बीके अनुसूईया दीदी, बीके पलक दीदी ...ी की कुशलक्षेम पूछी और शुभकामनाएं दीं।

रायपुर, छत्तीसगढ़। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को रायपुर के शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर की निदेशिका बीके सविता दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और संस्थान द्वारा की जा रहीं सेवाओं के बारे में बताया। साथ ही मुख्यालय माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया।

विजयवाड़ा, आंध्रप्रदेश । मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को बीके जया दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर संस्थान की सेवाओं के बारे में बताया। बीके दिलीप भाई ने आईटी विंग की सेवाओं के बारे में बताया और आंध्र प्रदेश के सभी स्कूलों और कॉलेजों में डिजिटल वेलनेस पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

सुनाम, पंजाब। मुख्यमंत्री भगवंत मान, आप पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल, दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, पंजाब के कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा को सुनाम सेंटर की निदेशिका बीके मीरा दीदी ने रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और परमात्मा का स्मृति चिंह भेंट किया।

शिमला, हिमाचल प्रदेश । मुख्यमंत्री सुखविंदर सुखु को बीके रजनी दीदी, बीके सुनीता दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संगठन नारी शक्ति की मिसाल है। बहनें आध्यात्मिक ज्ञान से लोगों का जीवन बदल रही हैं।

करनाल, हरियाणा । मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को श्रीनगर गढ़वाल की बीके नीलम बहन, करनाल सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सरिता बहन ने परमात्म रक्षासूत्र बांधा। इस दौरान ब्रह्माकुमारीज के करनाल एवं गढ़वाल सर्कल उत्तराखंड के निदेशक बीके मेहरचंद भाई संस्थान द्वारा की जा रही सेवाओं से अवगत कराया।

गोवा, पणजी। मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत को बीके शोभा दीदी और वनिता दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर संस्थान द्वारा प्रदेश में की जा रही सामाजिक सेवाओं के बारे में बताया। साथ ही राजयोग मेडिटेशन के बारे में चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्थान सामाजिक उत्थान के लिए अच्छा कार्य कर रहा है।

नई दिल्ली। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर चीफ़ ऑफ़ डिफेन्स स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान को ब्रह्माकुमारीज की ओर से ग्रेटर कैलाश-2 सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके संगीता दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधा। इस मौके पर बीके मेधा बहन और दीपिका जिंदल विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

नई दिल्ली। भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव को ओआरसी की बीके सुनैना बहन और बीके निकिता बहन ने राखी बांधकर स्मृति चिंह भेंट किया। इस मौके पर बीके भीम भाई और बीके राजिंदर भाई भी मौजूद रहे।

नईदिल्ली। ब्रह्माकुमारीज के परिवहन और यात्रा विंग के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री मंत्री अजय टम्टा से मुलाकात रजत जयंती का निमंत्रण दिया और विंग की सेवाओं के बारे में बताया। बीके कविता बहन और बीके गिरिजा बहन ने राखी बांधी। बीके पीयूष भाई भी मौजूद रहे।

देशभर में महीनेभर मनाया गया परमात्म रक्षासूत्र कार्यक्रम

50 हजार ब्रह्माकुमारियों ने लाखों भाइयों की कलाई पर बांधा परमात्म रक्षासूत्र, हर नारी के सम्मान का कराया संकल्प

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की ओर से प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी रक्षाबंधन परमात्म रक्षासूत्र महोत्सव के रूप में मनाया गया। महीनेभर चले इस उत्सव में देश-विदेश की 50 हजार ब्रह्माकुमारी बहनों ने लाखों भाईयों की कलाई पर परमात्म रक्षासूत्र बांधा। साथ ही भाइयों को जीवन में व्यसन-बुराई त्याग कर अच्छाई धारण करने और हर नारी के सम्मान की रक्षा करने का संकल्प कराया। कैदियों को राखी बांधकर जहां अच्छे कर्म करने की प्रेरणा दी तो सैनिकों को राखी बांधकर उनके त्याग, समर्पण और बलिदान की सराहना की। समाज के हर वर्ग तक पहुंचते हुए बहनों ने महीनेभर तक परमात्म रक्षासूत्र महोत्सव मनाया। कई भाइयों ने उपहार स्वरूप नशामुक्ति की दृढ़ प्रतिज्ञा की।

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को ओआरसी की निदेशिका बीके आशा दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर रक्षाबंधन के पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं। साथ ही आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग मेडिटेशन पर चर्चा की। इस दौरान ओआरसी की अन्य ब्रह्माकुमारी बहनें भी मौजूद रहीं।

रांची, झारखंड। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के रांची आगमन अवसर पर राजभवन में ब्रह्माकुमारीज के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर संस्थान द्वारा की जा रहीं सेवाओं के बारे में बताया। सेवाकेंद्र संचालिका बीके निर्मला दीदी ने राष्ट्रपति पर स्मृति चिंह भेंट किया। इस मौके पर बीके आशा दीदी, बीके प्रदीप भाई भी मौजूद रहे।

देवघर, वैद्यनाथ, झारखंड। राष्ट्रपति द्रौपद्री मुर्मु के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के दीक्षांत समारोह में पधारने पर बीके रीता दीदी, बीके सुनील भाई, बीके सत्यनारायण भाई, बीके शिल्पी बहन, डॉ. राजेश ने स्वागत किया।

जयपुर, राजस्थान। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को बीके चंद्रकला दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर शुभकामनाएं दीं। संस्थान की आध्यात्मिक और सामाजिक सेवाओं के बारे में बताया। डॉ. बीके दीपक हरके, बीके एकता भी मौजूद रहीं।

नई दिल्ली। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को ओआरसी की बीके सुनैना बहन ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर संस्थान की सेवाओं के बारे में बताया। इस दौरान पूर्व राष्ट्रपति ने माउंट आबू के अपने अनुभवों के बारे में भी बताया।

फरीदाबाद, हरियाणा। बॉलीवुड फिल्म अभिनेता शाहबाज खान को सेक्टर-21 सेवाकेंद्र की बीके प्रीति दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताया। बीके शिखा बहन, बीके स्वामी भाई भी उपस्थित रहे।

रायपुर, छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ के विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह को परमात्म रक्षासूत्र बांधते हुए शांति सरोवर की निदेशिका बीके सविता दीदी। इस दौरान विस अध्यक्ष सिंह ने कहा कि बहनों की सेवाओं सराहनीय हैं।

मुंबई। महा विकास अघाड़ी के अध्यक्ष और शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को घाटकोपर सबजोन की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके विष्णुप्रिया दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं।

देहरादून-उत्तराखंड। विधानसभा की अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूरी सेवाकेंद्र निदेशिका बीके मीना दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर शुभकामनाएं दीं। अध्यक्षा खंडूरी ने कहा कि संस्थान महिला सशक्तिकरण के लिए अलख जगा रही है।

बिलासपुर, छत्तीसगढ़। भारत सरकार के केंद्रीय राज्य आवास एवं शहरी मंत्री तोखन साहू को राजयोग भवन सेवाकेंद्र की निदेशिका बीके स्वाति दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधा और संस्थान द्वारा की जा रहीं सेवाओं के बारे में बताया।

मुजफ्फरपुर, बिहार। पंचायती राज विभाग मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता के ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र पधारने पर सबजोन निदेशिका राजयोगिनी बीके रानी दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधा। इस मौके पर बीके कंचन दीदी सहित अन्य भाई-बहन मौजूद रहे।

सागर, मप्र। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को बीके नीलम दीदी, बीके लक्ष्मी दीदी, बीके खुशबु दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर ईश्वरीय सौगात प्रदान की और माउंट आबू का निमंत्रण दिया।

उदवाड़ा, गुजरात। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर वित्तमंत्री कनुभाई देसाई और वापी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के प्रमुख सतीश भाई के पधारने पर संचालिका बीके पारुल दीदी और बीके मीनल दीदी ने रक्षासूत्र बांधा और स्मृति चिंह भेंट किया।

लखनऊ, उप्र। उत्तर प्रदेश के विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना को लखनऊ सेवाकेंद्रों की निदेशिका बीके राधा दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और मुख्यालय आने का निमंत्रण दिया।

पानीपत में विराट संत सम्मेलन आयोजित

स्वयं भगवान आबू की भूमि पर आए हैं: स्वामी धर्मदेव

शिव आमंत्रण, पानीपत, हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज के ज्ञान मानसरोवर रिट्रीट सेंटर के दादी चंद्रमणि यूनिवर्सल पीस ऑडिटोरियम में विराट संत सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसका विषय था 'मनजीते जगजीत'। इसमें वक्ता के रूप में माउंट आबू से पदारीं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके शीलू दीदी ने कहा कि मनजीते बनने का अर्थ यह नहीं है कि मन को मारना अपितु मन को सुमन बनाकर अमन करना है और यह मन सुमन तब होगा जब इसमें सुंदर विचार होंगे। मन को एक सेकंड में वश में किया जा सकता है और इसकी सहज विधि है राजयोग। राजयोग के माध्यम के द्वारा हम मन को जीत सकते है। आचार्य महामंडलेश्वर कमल किशोर महाराज (सहारनपुर) ने कहा कि राष्ट्र उत्थान में अध्यात्म की बहुत जरूरत है और ये ब्रह्माकुमारीज संस्थान एक मिशन के रूप में अध्यात्म अर्थात आत्मा-परमात्मा का सच्चा ज्ञान जन -जन तक पहुंचा रही है। पटौदी के महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव ने कहा कि स्वयं भगवान आबू की भूमि पर आए हैं इसलिए हमें आबू के बाबू के काबू में आ जाना चाहिए। गोस्वामी सुशील महाराज (दिल्ली), महामंडलेश्वर स्वामी सुरेंद्र शर्मा बुलंदशहर, आचार्य शेष नारायण सोनीपत, बीके भारत भूषण, पानीपत सर्किल इंचार्ज बीके सरला दीदी, धार्मिक प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके रामनाथ भाई ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

जबलपुर, मप्र। ब्रह्माकुमारीज के शक्तिनगर सेवाकेंद्र पर नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें सीएसपी नवोदिया, टीआई नितिन कमल विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में गोरखपुर, संजीव नगर और ग्वारीघाट थाने से लगभग 30-40 एएसआई और पुलिस आरक्षक उपस्थित हुए। ब्रह्माकुमारी वर्षा बहन ने नशा मुक्ति और राजयोग की आवश्यकता को समझाया तथा सबको राजयोग मेडिटेशन का अनुभव कराया। बीके भावना दीदी ने भी संबोधित किया।

अयोध्या, उप्र। वेदांती आश्रम के राजकुमार दास महाराज को सेवाकेंद्र संचालिका बीके शशी दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधा। देवेन्द्र प्रसाद आचार्य महाराज, हिंदूधाम के रामविलास वेदांती महाराज, महंत रसिक पीठादीश्वर जन्मेजय शरण महाराज, रामजन्मभूमि के पुजारी प्रदीप महाराज, रामकुंज कथा मण्डप के रामानंद महाराज को भी रक्षासूत्र बांधा।

मथुरा, उप्र। सशस्त्र सेवा बलों के जवानों को ब्रह्माकुमारी बहनों ने रक्षाबंधन पर परमात्म रक्षासूत्र बांध जवानों का मनोबल बढ़ाया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कृष्णा दीदी के मार्गदर्शन में 167 वाहिनी सीमा सुरक्षा बल, 16वीं वाहिनी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, मथुरा रिफाइनरी केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के मुख्यालय में रक्षासूत्र बांधा गया।

ब्रह्माकुमारीज़ और स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र औंध के बीच हुआ एमओयू

शिव आमंत्रण, औंध, पुणे। स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र औंध और ब्रह्माकुमारी संस्थान के बीच एक एमओयू साइन किया गया। इसके तहत संस्थान द्वारा चलाए जा रहे विहासा कार्यक्रम के माध्यम से स्वास्थ्य कर्मियों के आत्म-विकास के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस समझौते का उद्देश्य स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत कर्मियों के लिए मानसिक शांति, तनाव प्रबंधन एवं मूल्यों पर आधारित प्रशिक्षण प्रदान करना है। इस सहयोग के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कार्यक्रम विहासा को प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से सत्रों, कार्यशालाओं एवं सेमिनारों के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। इस दौरान केंद्र की सह प्राचार्य डॉ. वैशाली बडधे ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा में तकनीकी दक्षता के साथ-साथ मानसिक संतुलन एवं नैतिक मूल्यों का होना आज की आवश्यकता है। बीके डॉ. सचिन परब ने कहा कि विहासा जैसे कार्यक्रम स्वास्थ्य कर्मियों को न केवल सेवा में दक्ष बनाते हैं, बल्कि उन्हें आत्म-शक्ति और आंतरिक शांति का भी अनुभव कराते हैं।

इस मौके पर सांगवी सेंटर की प्रभारी बीके संजीवनी दीदी, बीके अमित भाई, बीके सस्मिता दीदी, बीके सुनिता दीदी और स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र औंध की ओर से डॉ. संजय दराडे और प्रशिक्षण लेने आए 60 से अधिक हेल्थ प्रोफेशनल उपस्थित थे।

एमओयू आगामी दो वर्षों के लिए प्रभावी रहेगा, जिसके अंतर्गत संयुक्त रूप से प्रशिक्षण सत्र, कार्यशालाएं एवं नैतिक मूल्यों पर आधारित पाठ्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, निंबाहेड़ा, राजस्थान। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नगर आगमन पर ब्रह्माकुमारीज की ओर से बीके आशा दीदी, बीके शिवली दीदी, बीके अनीता दीदी ने स्वागत और सम्मान किया। इस दौरान सांसद सीपी जोशी, विधायक श्रीचंद कृपलानी, विधायक अर्जुन लाल जिंगर भी मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, छतरपुर, मप्र। सत्यशोधन आश्रम में बेड़िया एवं घुमक्कड़ समुदाय के बच्चों को किशोर सागर सेवाकेंद्र की बीके कल्पना बहन और बीके नम्रता बहन ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर जीवन में सफलता के सूत्र बताए। साथ ही उन्हें मेडिटेशन के बारे में बताया। इस मौके पर आश्रम संचालक देवेंद्र भंडारी, गांधी आश्रम संचालिका दमयंती पाणि भी विशेष रूप से मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, वाराणसी (उ.प्र)। ब्रह्माकुमारीज के क्षेत्रीय मुख्यालय सारनाथ में विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक भाई के पधारने पर निदेशिका बीके सुरेंद्र दीदी ने परमात्म रक्षासूत्र बांधकर ईश्वरीय सौगात प्रदान की। इस दौरान काशी विश्वनाथ मंदिर कारिडोर में अखिल भारतीय संत समिति के महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती महाराज को भी दीदी ने रक्षासूत्र बांधा।

शिव आमंत्रण, सीतामढ़ी, बिहार। ओल्ड एक्सचेंज रोड स्थित सेवाकेंद्र प्रभारी बीके वंदना दीदी ने एसएसबी के अधिकारियों और जवानों को राखी बांधकर रक्षा बंधन का आध्यात्मिक रहस्य बताया। इस मौके पर कमांडेंट गिरीश चंद पांडेय, बीके ज्योति बहन, बीके बिंदु बहन, बीके आमोद मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, मुजफ्फरपुर, बिहार। सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर में रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बीके सीता बहन एवं बीके पुष्पा बहन जवानों को आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया। बीके संजीव भाई, बीके भास्कर भाई ने भी संबोधित किया। डिप्टी कमांडेंट सीआरपीएफ संजीव कुमार झा ने शुभकामनाएं प्रदान की एवं संस्था के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। सभी सीआरपीएफ जवान व अधिकारियों को परमात्म रक्षासूत्र बांधा गया।

रियल लाइफ

जीवन श्रेष्ठ बनाने के लिए यह महत्वपूर्ण समय है...

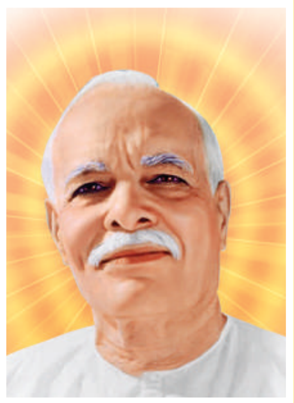

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा, संस्थापक, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, माउंट आबू

ईश्वरीय ज्ञान सुन कर तेजी से बढ़ने लगी भाई-बहनों की संख्या

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

मातेश्वरी जी कहती हैं-'अब परमपिता परमात्मा शिव सतयुगी पावन सृष्टि की पुनः स्थापना कर रहे हैं और कलियुगी महाविनाश की तैयारियाँ भी एटम बमों, मूसलों, प्राकृतिक प्रकोपों तथा गृह-युद्धों के रूप में तीव्र गति से हो रही है और निकट भविष्य में विनाश-ज्वाला प्रज्वलित होने ही वाली है। अतः यह जो समय चल रहा है, अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाने के लिये बहुत ही महत्त्व रखता है...। व्यक्तिगत एवं विश्व-शान्ति के बारे में बताया गया था कि वर्तमान समय स्थायी, वास्तविक तथा पूर्ण शान्ति प्राप्त न होने के कारण व्यक्तिगत तथा संगठित रूप में मनुष्य दुःख की पूर्ण निवृत्ति और वास्तविक एवं स्थायी शान्ति की प्राप्ति के लिये अनेक प्रकार के प्रयत्न और साधनाएँ करते हैं तथापि उन्हें यथेष्ट सफलता प्राप्त नहीं हो रही है। अभी तक यज्ञों, सम्मेलनों और शासन-प्रणालियों में परिवर्तनों इत्यादि के रूप में जो प्रयत्न किये जा चुके हैं, उनकी असफलता ही इस बात को प्रमाणित करती है कि मनुष्यों ने अशान्ति के मूल कारण को नहीं जाना है और इसलिए वे भ्रान्ति-वश विश्व-युद्ध की रोकथाम ही को शान्ति स्थापना करना मानते हैं। विश्व-शान्ति तभी स्थापन हो सकती है जब प्रत्येक मनुष्य के मन में शान्ति हो क्योंकि 'मनुष्य' समाज की इकाई है। परन्तु यह भी सच है कि मनुष्य को भी पूर्णरूपेण शान्ति का अनुभव तभी हो सकता है जब समस्त विश्व में शान्ति हो। ये दोनों बाते अन्योन्याश्रित हैं। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान के महावाक्य हैं कि 'धर्म की स्थापना और अधर्म अथवा कलियुगी आसुरी सृष्टि का विनाश मैं कराता हूँ।' अतः सतोप्रधान सुख-शान्तिमय सृष्टि की स्थापना ज्ञान स्वरूप, सर्वशक्तिवान, सर्व आत्माओं के पिता परमात्मा का ही कार्य है। वह ही कलियुग के अन्त और सतयुग के आदि के संगम काल में आदि देव ब्रह्मा के साधारण माध्यम द्वारा गीता-प्रसिद्ध सहज राजयोग सिखाकर, मुक्ति तथा जीवनमुक्ति प्रदान करते हैं और शंकर द्वारा अधर्म की सृष्टि का विनाश कराके सब आत्माओं को कर्म-बन्धन से मुक्त करते हैं और उन्हें अपने परमधाम, ब्रह्मलोक अथवा शिवपुरी में वापिस ले जाते हैं।'

माया से सावधानी और प्रभु की पहचानः ब्रह्माकुमारी सरला जी कहती हैं कि मातेश्वरी जी अनेक विवेक-संगत युक्तियों से सिद्ध करती थीं कि वर्तमान समय माया का 'अति' है और अब इसका 'अन्त' भी निकट आ चुका है। वे वात्सल्यपूर्ण वचनों से समझाती -बच्चो, साधारण मानवी तन में परमात्मा आये हैं इसलिये आप उन्हें पहचान नहीं पा रहे हो। परन्तु यदि अभी ग़फ़लत करोगे तो बाद में पश्चाताप से क्या होगा? जिस पिता को जन्म-जन्मान्तर ढूँढ़ते थे, अब वे आए हैं, आपके लिये स्वर्गिक सुख की सौगात लाए हैं तब भी आप सोये हुए हैं। भाग्य बनाने वाले 'रचयिता' तथा सद्गति देने वाले सद्गुरु आए हैं और उन्हें बूढ़े ब्राह्मण के रूप में देखकर, सत्य नारायण की कथा कहने-सुनने वाले आप लोग भी उसे पहचान नहीं सकते और भ्रान्ति-वश समझते हैं कि वे शायद आपसे कुछ लेना चाहते हैं? नहीं, नहीं वे लेने नहीं, देने आये हैं, झोली भरने आये हैं, जिसके बाद कभी आपको किसी प्रकार की कमी रहेगी ही नहीं।

इस प्रकार अपनी मीठी वाणी से वे आत्माओं को शान्ति और शीतलता देती रहतीं। उनकी आल्हादिनी शक्ति, उनकी मधुर मुसकान, उनकी प्यार की पुचकार, उनके मन से उत्कीर्ण होने वाले हर्ष एवं स्नेह की लहरें ऐसा शान्त, पवित्र, दिव्य एवं हर्षोल्लास वाला वातावरण बना देती थीं कि अनायास ही अनेक जन - 'माँ, मीठी माँ, तेरी शीतल छाँह....।' इस प्रकार के बालोचित शब्दों से उन्हें सम्बोधित करने लगते। कोई कहता – यह शीतला हैं, दूसरा कहता, यह मनोबल को बढ़ाने वाली, विकार रूप शुभ-निशुम्भ को हराने वाली, बुद्धि के महषि-पन का अन्त करने वाली दुर्गा माँ हैं। उनकी ओजस्वी एवं स्नेह-भरी वाणी सभी को ऐसा अनुभव कराती जैसे कि उनके पाप-ताप मिटते जा रहे हों। **(क्रमशः)**

प्रेरणापुंज

पवित्रता से ही सत्यता को परखने, सही रास्ते पर चलने की शक्ति मिलेगी

फैमिलियरटी का बहुत खराब कीड़ा है जो नष्टोमोहा, सम्पूर्ण पावन बनने नहीं देता

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

किसने पूछा तुम ब्रह्मा बाप को इतना प्यार क्यों करती हो? बाबा कितना हमको अपने पांव पर खड़ा करने के लिए निराधार बनाता है। गुप्त सहारा इतना देता है जो एक सेकंड भी नहीं छोड़ता है। हम थोड़ा दूर होते हैं तो युक्तियों से समीप बुला लेता है। अच्छा सोचने का तरीका सिखाता है। बुद्धि को चलाना, सिखाता है। हम बच्चे हैं, अभी भी हमारे बचपन के दिन भूल नहीं सकते हैं। पालना ही ऐसी मिली है जिससे हमारे ईश्वरीय संस्कार बन जाएं। पालना ऐसी है जो सब कर्मबन्धन से मुक्त कर देती है। बाबा ने कहा सेकंड में नष्टोमोहा हो सकते हैं, किसको अनुभव है? हमको यह अनुभव है, एक सेकंड में, एक मिनट भी नहीं लगा। लौकिक बाप खड़ा है, बाबा की दृष्टि मिलते ही आवाज निकला 'तू मेरा है'। लौकिक बाप का अति प्यार, उसका अति मोह लेकिन हमारा मोह नहीं गया। मोह को छोड़ना सेकंड में बुद्धि का काम है। ब्रह्मा बाबा, शिवबाबा कुछ पता नहीं लेकिन ईश्वरीय आकर्षण ने अपने तरफ खींच लिया। उसका फायदा यह हुआ, लौकिक वा ईश्वरीय परिवार में किसी में मोह नहीं रहा। कोई छोड़कर आए लेकिन यहां फैमिलियरटी में आ जाए, यह बीमारी सुख से, शान्ति-प्रेम से जीने नहीं देती। सच्चा नष्टोमोहा बनने नहीं देती। मोह जीत बनने में फैमिलियरटी विघ्न डालती है। बात करने की खींच होगी, लेन-देन करने की, चीज देने की बीमारी लग जाती है, यह कैंसर की बीमारी है। जैसे टीवी देखना टीबी की बीमारी है। अन्दर से सारी शक्ति खत्म कर देती है। फैमिलियरटी की बीमारी कैंसर की बीमारी है, लग गई तो बिरला कोई बचता है। सपूत और सर्विसएबुल बनने में विघ्न डालने वाली यह बीमारी है। एक से छूटेंगे तो दूसरे तीसरे से लग जाएंगे। छोड़ेगी नहीं। अन्दर की यह कमजोरी है, कमजोर को इन्फेक्शन हो जाता है। बाबा भी भल उम्मीद रखे अभी ठीक है, लेकिन फिर आ जाती है। इसलिए बाबा ने इलाज सुनाया - एक ही बात मुझे अन्दर से मीठे बाबा की याद में रहना है और पवित्रता ऐसी धारण करनी है जो सत्यता को परखने की, सही रास्ते पर चलने की, परीक्षाओं को पार करने की शक्ति बाबा से खींच सकूं।

राजयोगिनी दादी जानकी, पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज, माउंट आबू

फैमिलियरटी से दूर रहें : फैमिलियरटी बाबा से शक्ति लेने से वंचित कर देती है, बीच में दीवार आ जाती है, देही-अभिमानी बनने नहीं देती। जिस घड़ी कोशिश करेंगे, अन्दर देह-अभिमान का कीड़ा है तो जहां रग होगी वहां बुद्धि जाएगी। जिगर से बाबा नहीं निकलेगा। शुक्रिया बाबा, मीठा बाबा.. बाबा ही सबकुछ देने वाला है। धन मेरे पास कुछ नहीं हो, परन्तु कभी ऐसा ख्याल नहीं आया होगा कि फलाना मुझे देने वाला है, उससे ले लूं। बाबा बैठा है, पता नहीं कैसे आ जाता है। कभी ख्याल ही नहीं चल सकता। साहूकारों को नशा होगा 'मैं देता हूं, इसलिए बाबा को गरीब बच्चे प्यारे लगते हैं, बाबा गरीब निवाज है।

प्रकृति का मालिक हमारा बाप है : प्रकृति साथ तब देती है जब किसी भी प्रकार से हम अधीन नहीं हैं। प्रकृति के बिगर आत्मा पार्ट नहीं बजा सकती। पांच तत्वों की स्टेज है, पांच तत्वों के शरीर में आत्मा बैठी है लेकिन साथ दे। वह तब होगा जब आत्मा को अन्दर से नशा हो कि इस प्रकृति का मालिक हमारा बाप है। इसको सतोप्रधान बनाने के लिए मैं बैठी हूं। जिस स्थान पर बैठी हूं उसमें भी अटैचमेंट न हो। सर्विस साथी भी मेरे नहीं हैं जो फैमिलियरटी हो। सर्विस में साथ दे रहे हैं तो उनका भाग्य है।

अव्यक्त इशारे

साफ दिल से ही पूरे होते हैं हमारे संकल्प और आशाएं

मैं और मेरापन छोड़कर निमित भाव से करें सेवा

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

साफ दिल नहीं है तो जो हमारी आशाएं या संकल्प हैं वह पूरे नहीं होते हैं। इसमें बाबा का दोष नहीं है, पता नहीं क्यों...फिर दिलशिकस्त हो जाते हैं। बाबा मेरे से बात ही नहीं करता, रेसपाण्ड ही नहीं देता। फिर कोई न कोई व्यक्ति को अपना साथी बना देते हैं। लेकिन बाबा क्यों नहीं उत्तर देगा, बाबा बंधा हुआ है, हमको बाबा ने अपना बनाया है, बाबा ने हमको ढूंढा है। हमको तो परिचय ही नहीं था। तो बाबा बंधा हुआ है, जैसे मां-बाप छोटे बच्चे के लिए जिम्मेवार हैं। यह तो बाबा है, यह तो धोखा देगा ही नहीं। बाबा तो क्षमा का, प्यार का सागर है, हमको भीख नहीं मांगनी चाहिए, हमारा तो अधिकार है। कई तो रॉयल भिखारी बन जाते हैं। बाबा आप करो ना, बाबा आपको करना चाहिए ना। बाबा आज मेरे फलाने सम्बन्धी की बुद्धि का ताला खोलना। बाबा आज मेरा यह काम जरूर कराना ऐसे जैसे भिखारी। हमारा अधिकार है, बाबा ने हमको ढूंढकर अपना बच्चा बनाया है। क्या आप बाबा को पहचानते थे? हमने बाबा को नहीं ढूंढा, बाबा ने हमें ढूंढकर अपना बनाया है, तो हमारा अधिकार है। अधिकार से बाबा को याद करो, रूह-रूहान करो तो क्यों नहीं बाबा रेसपांड देगा। रेसपांड माना कोई आवाज नहीं देगा। लेकिन बाबा से जो आपने बात कही, समझो आपने बाबा पर अधिकार रखा, दिल से बाबा पर कोई कार्य छोड़ा तो बाबा खुद जिम्मेवार होकर उस कार्य को पूरा करता है। यह रेसपांड हुआ, तो आपको यह अनुभव होगा। कई बार बातों की उलझन में होते हैं, उधेड़बुन में लग जाते हैं तो बाबा के रेसपांड का अनुभव नहीं होता है। लेकिन बाबा का रेसपांड चाहिए। बाबा की मदद का अनुभव चाहिए तो उसका आधार बुद्धि एकदम क्लीन और क्लीयर चाहिए। अगर हम बाबा की सेवा में बिज़ी हैं, तो बाबा की सेवा में बुद्धि क्लीयर रहेगी। अगर बाबा की सेवा है यह याद नहीं है, मेरी जिम्मेवारी है, मैं कर रही हूं यह अगर आ गया तो सेवा करते वह सफलता की मदद नहीं मिलेगी, क्योंकि मैं-पन आ गया।

राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी (गुलजार दादी), पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज

बाबा ने सुनाया है कि माया के आने के दो दरवाजे हैं - एक मैं और दूसरा मेरा। अभी यह हद का मैं और मेरा इन दोनों दरवाजों को बंद कर दो। मैं और मेरे करने की आदत पड़ी हुई है तो जब मैं शब्द बोलो तो यह सोचो कि मैं कौन, असली स्वमान से मैं कहो और जब मेरा कहते हो तो कहो 'मेरा बाबा'। सारे दिन में मेरे-मेरे का कितना विस्तार होता है और एक मेरा बाबा इसमें सब समाया हुआ रहता है। मेरापन क्यों होता है? मेरे से कोई प्राप्ति होती है, सुख मिलेगा, शान्ति मिलेगी, जो जरूरत है वह पूरी हो जाएगी। इसीलिए मेरा-मेरा आता है और बाबा से तो सबकुछ मिलता है। हद के मेरे से आपको अल्पकाल की प्राप्ति होगी और बाबा तो अविनाशी है, उससे अविनाशी प्राप्ति होगी। सब प्राप्ति होगी। तो अनेक मेरे के बजाए अगर मेरा कहना है तो कहो मेरा बाबा। मैं वह श्रेष्ठ आत्मा हूं, परमात्मा की बच्ची हूं। मैं अनादि बाबा के साथ थी, आदि में दिव्यगुणधारी आत्मा थी, वह याद करो। अज्ञान के वश जो मैं-मैं करते हैं, वह कितने बॉडी-कॉन्सेस होते। कभी अभिमान आएगा, कभी क्रोध आएगा। इसलिए इन दोनों दरवाजों को बंद रखना चाहिए। उसके लिए बाबा ने सबको डबल लॉक दिया है। एक पॉवरफुल याद और दूसरी निःस्वार्थ रूहानी सेवा। यह डबल लॉक है। अगर यह डबल लॉक लगा लो, इसी में ही मन-बुद्धि को बिज़ी रखो तो समझो आपने माया के आने का दरवाजा बंद कर दिया।

नशामुक्त भारत अभियान ने पूरे किए पांच साल

शिव आमंत्रण, नई दिल्ली। रक्षाबंधन पर नशा मुक्त भारत अभियान के पांच वर्ष पूरे होने पर जनपथ, नई दिल्ली स्थित डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारी बहनों ने लगभग 400 सीआरपीएफ जवानों एवं अधिकारियों को राखी बांधी। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को नशामुक्त रहने की शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि नशे की बुराई को समाप्त करने की चुनौती का सामना करने के लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर इस सामाजिक अभियान में योगदान देना होगा।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने अभियान की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए बताया कि इस अभियान ने किस प्रकार नशे की मांग को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि नशे का दुष्प्रभाव समाज में व्यापक बदलाव और सामाजिक कलंक को भी जन्म देता है। मेडिकल विंग की अतिरिक्त संयोजिका बीके लक्ष्मी दीदी ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा नशामुक्त भारत अभियान के तहत की गई सेवाओं के बारे में बताया। साथ ही राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताया।

परमात्मा का संग करेंगे तो उनके समान बन जाएंगे

नाहन(हिमाचल प्रदेश)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा 'विश्व एकता एवं विश्वास हेतु ध्यान' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें युवा प्रभाग और कला एवं संस्कृति प्रभाग की अध्यक्ष राजयोगिनी बीके चंद्रिका दीदी ने कहा कि मन को वश करने के लिए ध्यान आवश्यक है। जैसा हमारा संग होगा वैसा ही हमारा रंग होता है। इसलिए यदि हम परमात्मा का संग करेंगे तो उनके समान बन जाएंगे। योगी की स्थिति मान-अपमान, निंदा-स्तुति, सफलता-असफलता, जय-पराजय हर परिस्थिति में एक जैसी रहती है। यह ज्ञान परमात्मा के सिवाय हमें कोई सिखा नहीं सकता है। परमात्मा अजन्मा, अव्यक्त, निराकार, अभोक्ता है। मनुष्य मन-बुद्धि-संस्कार सहित चैतन्य आत्मा है और आत्मा के साथ गुण शांति, प्रेम, सुख, पवित्रता, ज्ञान, आनंद और शक्ति है। स्मृति हमारे जीवन का एक आधार है। स्मृति माना ही याद। जैसी स्मृति वैसी स्थिति अर्थात स्मृति का प्रभाव हमारी स्थिति पर पड़ता है।

सांसद सुरेश कश्यप कहा कि योग से ही विकारों से मुक्ति पाई जा सकती है। दीदीजी से जो विचार सुने उन्हें धारण करने की जरूरत है। योग के माध्यम से हम एकाग्रचित हो सकते हैं। प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, बीजेपी अध्यक्ष डॉक्टर राजीव बिंदल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बीके मीना दीदी ने "विश्व एकता एवं विश्वास हेतु ध्यान" विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। संचालन बीके सुशील भाई ने किया। कुमारी मृणालिणी ने सुंदर नृत्य पेश किया। बीके प्रियंका बहन ने गीत सुनाया। सेवाकेंद्र इंचार्ज बीके रमा दीदी ने अतिथियों का स्वागत किया। व्हील क्लब और वैश्य सभा ने चंद्रिका दीदी का स्वागत किया।

धर्म सम्मेलन: सनातन धर्म की शाश्वत महिमा पर हुआ विचार मंथन

सनातन धर्म सभी धर्मों की जननी है: महामंडलेश्वर

शिव आमंत्रण, हाथरस, उप्र। मेला श्री रेवती मैया के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ तपस्या धाम द्वारा श्री दाऊजी मंदिर किला में धर्म सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें महामंडलेश्वर अशोकानंद महाराज ने कहा कि सनातन धर्म सभी धर्मों की जननी है और यह तब भी जीवित रहेगा जब अन्य धर्म समाप्त हो जाएंगे। सनातन धर्म जोड़ने की शक्ति है, तोड़ने की नहीं। धर्म को जोड़ने के लिए ब्रह्माकुमारी बहनें रात-दिन मेहनत करके ईश्वरीय कार्य में लगी हुई हैं।

स्वामी राजेशानंद गिरि महाराज ने कहा कि अपने धर्म को जीवित रखने के लिए अगली पीढ़ी को संस्कार देने होंगे, तभी समाज बचेगा। धर्माचार्य आचार्य उपेंद्रनाथ चतुर्वेदी ने कहा सनातन ही एक सत्य धर्म है। बाकी जितने भी धर्म आए हैं वह ढाई हजार वर्ष के अंतराल में आ गए हैं। सनातन धर्म ही ऐसा है जो अनादि है और सत्य है।

नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था समाज को जोड़ने और नैतिकता को पुनर्स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिला प्रभारी सीता दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

सह जिला प्रभारी व कार्यक्रम संयोजिका बीके भावना दीदी ने कहा कि धारणा ही धर्म है। जब मज़हब आपस में टकराते हैं, तब सत्य सनातन धर्म प्रेम और शांति का मार्ग दिखाता है। परमात्मा शिव स्वयं इस समय इस धरती पर सत्य धर्म की स्थापना कर रहे हैं।

संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता अतुल आंधीवाल ने किया। इस मौके पर बीके रश्मि बहन, बीके पूजा बहन, जयवीर भाई, उद्योगपति दीपक बूटीया, समाजसेवी वासुदेव माहौर, एडवोकेट गुड्डी मौर्या, गायिका बहन मंजू शर्मा समेत शहर के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। विधिक साक्षरता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रामेश्वर सिंह चौहान एडवोकेट ने अतिथियों का शॉल एवं स्मृति से सम्मान किया।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, मिलपिटास, यूएसए। जयपुर सबजोन की निदेशिका बीके सुषमा दीदी और बीके चंद्रकला दीदी यूएसए की यात्रा के दौरान मिलपिटास स्थित बीके सिलिकॉन वैली सेवाकेंद्र पहुंचीं। जहां रक्षाबंधन का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया। पूर्व महापौर जोस एस्टेव्स से राजयोग पर चर्चा की।

शिव आमंत्रण, मॉस्को, रूस। प्रसिद्ध रूसी लेखक अलेक्जेंडर सर्गेयेविच ग्रिबोयेदोव की 230वीं जयंती के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़, एएस ग्रिबोयेदोव सांस्कृतिक विरासत फाउंडेशन के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें रूसी संघ में भारत के राजदूत विनय कुमार ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ सेंटर फॉर स्पिरिचुअल डेवलपमेंट का यह आयोजन सराहनीय है।

शिव आमंत्रण, लंदन। हाउस ऑफ कॉमन्स, ब्रिटिश पार्लमेंट में लंदन कौशल विकास संगठन द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। भारत के प्राचीन राजयोग के प्रसार और प्रचार-प्रसार के लिए 183 वर्ल्ड रिकार्ड करने वाले बीके डॉ. दीपक हरके को गाम्बिया गणराज्य के प्रिंस इब्राहिम सान्यांग द्वारा उत्कृष्टता पुरस्कार-2025 से सम्मानित किया।

शिव आमंत्रण, मॉस्को, रूस। भारत उत्सव 2025 मास्को के क्रेमलिन स्थित मानेज स्क्वायर में मनाया गया। प्राचीन भारत का उत्सव, भारत उत्सव, पहली बार मास्को में आयोजित किया गया। 9 दिनों तक चलने वाले इस ग्रीष्मकालीन उत्सव का आयोजन भारतीय दूतावास द्वारा नगर सरकार के सहयोग से किया गया। इसमें ब्रह्माकुमार भाई-बहनों ने भी अपनी प्रस्तुति दी।

शिव आमंत्रण, न्यूज़ीलैंड। भारतीय उच्चायोग वेलिंगटन में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा रक्षाबंधन के पावन पर्व के उपलक्ष्य में परमात्म रक्षासूत्र कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारी बहनों ने उच्चायुक्त नीता भूषण, एचसीआई अधिकारियों को राखी बांधी और रक्षाबंधन का महत्व बताया।

रैली से दिया नशामुक्ति का संदेश

छतरपुर, मप्र। ब्रह्माकुमारीज के किशोर सागर सेवाकेंद्र द्वारा नशामुक्त भारत अभियान के तहत महिलाओं में बढ़ते हुए नशे को देखते हुए ग्रामीण महिला एवं भाइयों की जन जागृति के लिए रैली निकाली गई। साथ ही नुक्कड़ नाटक से लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। रैली को हरी झंडी सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा दीदी ने दिखाई। इसमें बड़ी संख्या में ग्राम गढ़ी मलहरा, गढ़ी, महाराजपुर, गौर गौरारी, मलका, उर्दमऊ, कुरहा के भाई-बहनों ने भाग लिया।

युवा आध्यात्मिक समिट में लिया भाग

वाराणसी, उप्र। भारत सरकार द्वारा वाराणीस में आयोजित युवा आध्यात्मिक समिट नशामुक्त भारत में ब्रह्माकुमारीज के मेडिकल विंग के प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। इस दौरान केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार से मेडिकल विंग के सचिव बीके डॉ. बनारसीलाल शाह के नेतृत्व में बीके मनीषा बहन, बीके डॉ. सचिन परब, बीके डॉ. स्वप्न गुप्ता से मुलाकात कर मेडिकल विंग द्वारा की जा रही सेवाओं के बारे में बताया। युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन में ब्रह्माकुमारीज द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत की जा रहीं सेवाओं की केंद्रीय मंत्री ने सराहना की। बता दें कि ब्रह्माकुमारीज राजयोग ध्यान और सामुदायिक सेवा के माध्यम से युवाओं को नशामुक्ति के लिए देशभर में काम कर रही है। इससे प्रेरित होकर लाखों लोग नशामुक्त हो चुके हैं।

हम जैसे संकल्प करेंगे, वैसा जीवन बनेगा: बीके शक्तिराज

शिव आमंत्रण, दुर्ग, छत्तीसगढ़। ब्रह्माकुमारीज के बघेरा स्थित आनंद सरोवर के 'कमला दीदी सभागार' में श्रेष्ठ मन-श्रेष्ठ भविष्य' विषय पर व्याख्यान व प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें माउंट आबू से पधारे अंतरराष्ट्रीय माईंड ट्रेनर, मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. शक्तिराज ने कहा कि जैसे हम बॉल फेंकेंगे, वही बॉल हमारे पास वापस आएगी। हम व्हाइट बॉल फेकेंगे तो व्हाइट और ब्लैक बॉल फेकेंगे तो ब्लैक वापस आयेगी। जब मुझे पता है कि जो एनर्जी मैं भेजूंगा वही एनर्जी वापस आएगी तो मुझे क्या भेजना है? रिमोट कंट्रोल किसके पास है? बताइए रिमोट कंट्रोल किसके पास है मेरे पास है ना, खुशी, प्यार, शांति, सुख के संकल्प भेजना है तो हमारा जीवन सुख-शांति - खुशी से संपन्न होगा। ब्रह्माकुमारी संस्थान ने पहल की है आपके जीवन में खुशियां लानी है आपको खुशनुमा बनाना है। आपके जीवन में सुख समृद्धि लाना है संसार को सुख-शांतिमय बनाना है। भूतकाल सपना है, भविष्य काल कल्पना है, केवल वर्तमान ही अपना है ना यहां पर फोकस रखना है। शुभारंभ पर

संजय तिवारी कुलपति (हेमचंद यूनिवर्सिटी), त्रिलोक बंसल (एस.पी. एसटीएफ दुर्ग), मनीष पारख (फाउंडर एंड चेयरमैन एविश एविकॉम, लाइफ केयर) एवं बी.के. रीटा दीदी (संचालिका ब्रह्माकुमारीज दुर्ग) उपस्थित थे।

शिव आमंत्रण, गुमला, झारखंड। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर सामूहिक योग भट्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य रूप से वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट विनोद बंका एवं उनकी धर्मपत्नी सुनीता बंका, जिला उपभोक्ता फोरम न्यायाधीश ओम प्रकाश पांडे, फाइनेंस एडवाइजर अशोक साहेवाल, व्यवसायी संजय अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, सौरव अग्रवाल, बीके डॉ. राजेश भाई, बीके शिव भाई मुख्य रूप से मौजूद रहे।

शिव आमंत्रण, घाटमपुर (कानपुर) उप्र। भारत सरकार की ग्रामीण विकास एवं उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री निरंजन ज्योति से ब्रह्माकुमारीज के घाटमपुर सेवाकेंद्र से एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर संस्थान द्वारा की जा रही सेवाओं के बारे में बताया। इस मौके पर बीके अनुराधा दीदी, बीके कपूर भाई, बीके राजेंद्र भाई, बीके शिवकरण भाई विशेष रूप से मौजूद रहे।

सार समाचार

शिव आमंत्रण, बुलढाणा, महाराष्ट्र। ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद पर मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता विषय पर मीडिया संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक ब्रह्माकुमार डॉ. शांतनु भाई ने विचार व्यक्त किए। इसमें पत्रकार संघ अध्यक्ष रणजीत सिंह राजपूत, दैनिक सकाळ के वरिष्ठ उप-संपादक अरुण जैन, देशोन्नती के जिला प्रतिनिधि राजेंद काळे, सेवाकेंद संचालिका बीके उर्मिला दीदी, बीके डॉ. उल्हास उगले ने संबोधित किया।

शिव आमंत्रण, बेतिया, बिहार। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर ब्रह्माकुमारीज के संत घाट स्थित प्रभु उपवन शाखा में मीडिया कॉन्फ्रेंस एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें बीके अंजना दीदी ने सभी को परमात्मा की याद में रहने का अनुभव कराने के लिए सामूहिक राजयोग मेडिटेशन कराया, जिसमें सभी ने गहन शांति और शक्ति का अनुभव किया। कार्यक्रम में जी.एम. सी.एच. की अधीक्षक डॉ. सुधा भारती ने कहा कि वर्तमान समय में हर व्यक्ति के लिए मेडिटेशन अत्यंत आवश्यक है। आप सभी ब्रह्माकुमारी केंद्र पर आकर इस अनुभव को अवश्य प्राप्त करें। सभी मीडिया भाइयों ने परमात्मा भोग एवं ब्रह्माभोजन स्वीकार किया।

शिव आमंत्रण, खामगांव, महाराष्ट्र। रायगड कॉलोनी स्थित ब्रह्माकुमारीज शिवालय सेवाकेंद्र में डिजिटल तकनीकः चुनौतियां, अवसर और पत्रकारिता की नई दिशा विषय पर जिलास्तरीय मीडिया सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें माउंट आबू से आए मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक ब्रह्माकुमार डॉ. शांतनुभाई, दैनिक देशोन्नती (बुलढाणा संस्करण) के संपादक राजेश राजोरे, पत्रकार संघ अध्यक्ष रणजीतसिंह राजपूत, लोकमत के उपसंपादक अनिल गवई, पुढारी न्यूज के संदीप वानखेडे, सेवाकेंद्र संचालिका बीके रुक्मिणी दीदी, बीके सुषमा दीदी ने संबोधित किया।

शिव आमंत्रण, राजकोट, गुजरात। गुजरात जोन की हीरक जयंती के अवसर पर हेप्पी विलेज में तपस्वी बालब्रह्मचारी कुमारों का दिव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी भारतीदीदी (गुजरात जोन डायरेक्टर), स्वामी धर्मपालानंदजी (श्री रामकृष्ण मिशन -राजकोट), बी.के. रुपेशभाई (ज्ञान सरोवर- माउंट आबू), बी.के. अमरबहन (अहमदाबाद), बी.के. नलिनीबहन (रविरत्न पार्क -राजकोट) ने संबोधित किया।

शिव आमंत्रण, सदस्यता हेतु संपर्क करें-
वार्षिक मूल्य 150 रुपए तीन वर्ष 450 रुपए
आजीवन 3500 रुपए
मो 9414172596, 8521095678
Website www.shivamantran.com

पत्र व्यवहार का पता
संपादक ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज, शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन, आबू रोड, जिला- सिरोही, राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो 8538970910, 9179018078
Email shivamantran@bkivv.org

For online transfer
A/C Name: Rajyoga Education & Research Foundation
A/C Number: 35401958118, IFSC Code: SBIN0010638
Bank & Branch: State Bank Of India, PBKIVV, Shantivan, Abu Road, Rajasthan
Note: On transfer please email details to: shivamantran.acct@bkivv.org, Helpline: 9471854331
Scan To Pay

विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका

शिव आमंत्रण, गुरुग्राम। ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में विकसित भारत के लिए महिला सशक्तिकरण एवं पर्यावरण विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी ब्रह्माकुमारीज़ एवं इंडियन योगिनी एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित की गई। इसमें राज्य सभा सांसद रेखा शर्मा ने कहा कि हमारे देश में नारी और प्रकृति को शक्ति एवं देवी देवताओं के रूप में पूजा जाता है। भारत की संस्कृति में प्राचीन काल से ही नारी का स्थान सर्वोपरि रहा है। महिलाओं के जीवन स्तर में ये परिवर्तन देश में अनेक बार हुए विदेशी आक्रांताओं के आक्रमण का प्रभाव है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण का अर्थ केवल पैसा कमाना नहीं बल्कि अपने निर्णय स्वयं लेना है। महिलाएं प्रकृति का सृजन करती हैं। विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका हैं। विकसित बनाने के लिए हमें सरकार का सहयोगी बनना है। अपने देश में बने हुए उत्पादों का अधिक से अधिक उपयोग करना है।

ओम शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने कहा कि मातृशक्ति सदा ही त्याग की प्रतिमूर्ति रही है। नारी हमेशा से दाता के स्वरूप में रही है। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान राजयोग के माध्यम से आत्मा और प्रकृति के संतुलन को बेहतर बनाने का कार्य कर रहा है। हमारे श्रेष्ठ संकल्पों के प्रकंपन पर्यावरण को प्रभावित करते हैं। योग से हम केवल स्वयं ही सशक्त नहीं बनते बल्कि प्रकृति को भी बनाते हैं। कार्यक्रम में महिलाओं की भूमिका एवं पर्यावरण संरक्षण के उपलक्ष में पैनल डिस्कशन के माध्यम से भी चर्चा हुई।

कावड़ यात्रियों का किया स्वागत

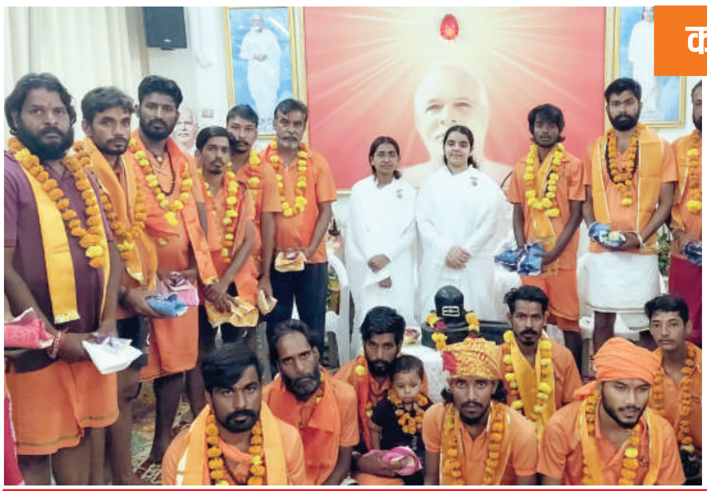

शिव आमंत्रण, रावतभाटा, राजस्थान। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा हरियाली अमावस के पर राजयोग सेवाकेंद्र प्रभारी बीके अंकिता दीदी के मार्गदर्शन में केदारनाथ से पदयात्रा करके आए रावतभाटा निवासी 20 कावड़ यात्रियों का राजयोग सेवाकेंद्र चारभुजा में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा सभी यात्रियों का तिलक, अपर्णा एवं फूलमालाओं द्वारा स्वागत-अभिनंदन किया गया। इस दौरान बीके लवीना बहन, बीके चित्रा बहन ने कहा कि कावड़ यात्रा शिव परमात्मा के प्रति शिव भक्तों की अटूट आस्था प्रेम और शक्ति का प्रतीत है। यह यात्रा हमें प्रेरणा देती है कि कितनी भी कठिनाइयां हमारे मार्ग में हो लेकिन परमात्म याद की शक्ति से हर रास्ता सहज पार हो सकता है।

केंद्रीय राज्यमंत्री से की मुलाकात

शिव आमंत्रण, सिमराही, बिहार। भारत सरकार के केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय को सम्मेलन में ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्रह्माकुमारी बबीता दीदी, उप मुख्य पार्षद बिनीता देबी तथा अन्य। इस दौरान मंत्री राय को संस्थान द्वारा नशामुक्त भारत अभियान सहित सामाजिक क्षेत्र में की जा रहीं सेवाओं की जानकारी दी।

जल सेना अध्यक्ष से मुलाकात की

शिव आमंत्रण, रीवा, मप्र। भारत के जल सेना अध्यक्ष चीफ़ ऑफ नेवी स्टॉफ एडमिरल दिनेश त्रिपाठी से रीवा की संचालिका बीके निर्मला दीदी ने मुलाकात कर आध्यात्मिक ज्ञान चर्चा की। साथ ही संस्थान द्वारा सिखाए जाने वाले राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताया। इस मौके पर विशेष रूप से कर्नल अविनाश रावल एवं बीके प्रकाश भाई मौजूद रहे।

वाराणसी में चिकित्सकों की संगोष्ठी आयोजित

शिव आमंत्रण, सारनाथ, वाराणसी। ब्रह्माकुमारीज़ के क्षेत्रीय कार्यालय सारनाथ में शहर के विशिष्ट चिकित्सकों की संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी लाल भाई ने कहा कि आज सरकार और समाज को ब्रह्माकुमारीज़ परिवार से ढेर सारी उम्मीदें हैं। आप जैसे चिकित्सक आगे आएं तो यह कार्य सहज सम्पन्न हो जाएगा। जीवन रक्षक डाक्टर्स को नेक्स्ट टू गाड कहा गया है जो कि मानव को अनेक नशे की लत से होने वाली आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य की बर्बादी से सचेत कर व्यसनों से बचा सकते हैं। इस दिशा में हमें मिलकर ठोस पहल करनी होगी। मुंबई से आए बीके डॉ. सचिन परब ने कहा कि संग के प्रभाव में आकर नशे की बुरी लत में फंसे हुए युवा और जन सामान्य की उत्थान के लिए हमें उनके पुनर्वास के लिए परिवार और समाज को भी सहयोगी बनाना होगा। संस्था की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी बीके सुरेन्द्र दीदी ने कहा कि सभी स्थूल नशा जीवन का नाश करते हैं सिवाए एक नारायणी नशे के... यह ऐसा नशा है जिससे व्यक्ति खुद अपने साथ परिवार, समाज और देश में सकारात्मक और श्रेष्ठ परिवर्तन ला सकता है। प्रबंधक बीके दीपेन्द्र भाई, डॉ. अजय पाण्डेय, बीएचयू की पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. प्रो. मधु जैन, आकांक्षा हास्पिटल के निदेशक डॉ. आदित्य सिंह, डॉ. अंकुर सिंह, डॉ. वन्दना सिंह, होली सिटी हास्पिटल के डायरेक्टर डॉ. केपी जायसवाल, डॉ. अभिषेक राय, डॉ. राजीव दुबे सहित बड़ी संख्या में डॉक्टर मौजूद रहे।

नई राहें

बीके पुष्पेंद्र, संयुक्त संपादक
शिव आमंत्रण, शांतिवन

महान कर्म, योगबल और परमात्म शक्ति से जीवन बनेगा विघ्न विनाशक

शिव आमंत्रण, आबू रोड (राजस्थान)। सदियों से हम विघ्न विनाशक गणेशजी की आराधना करते आ रहे हैं। हर वर्ष बड़े उमंग-उत्साह के साथ स्थापना करते हैं और दस दिन पूजन-अर्चन के बाद विसर्जित कर देते हैं। सवाल ये है कि बचपन से जीवन की सांझ आ गई लेकिन गणेशजी के जीवन से सीखा क्या है? क्या किसी एक दिव्यगुण को भी आत्मसात किया है? क्या जीवन को उनके समान मंगलकारी बनाने की ओर कदम बढ़ाया है? क्या खुद के विघ्नों के हम खुद विघ्न विनाशक बने हैं? या फिर जीवन की समस्याओं में आज भी रस्सी की तरह उलझा और असहाय महसूस करते हैं? क्या जीवन में समावेशी दृष्टिकोण धारण किया है? क्या मन-वचन-कर्म से दूसरों के लिए मंगलकारी बने हैं या अमंगल के कारण बने हुए हैं?

बचपन से सामाजिक रूप से कुछ दृश्य देखते, सुनते हमारी मनोदशा ही कुछ ऐसी हो गई है कि हम खुद को दीन-हीन, मूरख, खलकामी मान बैठे हैं। हम खुद गाते हैं कि देवा विषय-विकार मिटाओ और जब देवा विषय-विकार मिटाने के लिए परम ज्ञान बताते हैं तो यह मानकर छोड़ देते हैं कि यह हमारे वश की बात नहीं है। ज्ञान-ध्यान तो साधु-सन्यासियों का काम है। ईश्वर को पाना, उससे प्रेम करना तो महात्माओं का काम है। पूरा जीवन चमत्कार की आस में बिता देते हैं कि आसमान से कोई फरिश्ता आएगा और एकपल में सारे दुख दूर कर देगा। यदि चमत्कार ही जीवन का सत्य है तो कर्म, फल और पुरुषार्थ का कोई औचित्य नहीं रह जाता है? गीता ज्ञान यही कहता है कि जीवन को सिर्फ स्व के श्रेष्ठ पुरुषार्थ, महान कर्म, ज्ञान बल, योग बल और परमात्म शक्ति के संयोजन से ही विघ्न विनाशक बना बनाया जा सकता है। जीवन के विघ्न हमें खुद अपने पुरुषार्थ से दूर करना होंगे। ज्ञान के सागर परमात्मा हमें सतधर्म, सत् मार्ग का रास्ता बताते हैं, उस पर चलना या नहीं चलना हमारे ऊपर है। विघ्न और मंगलकारी अवस्था सिर्फ इस बात पर निर्भर करती है कि हमारी मनोदशा क्या है। मनोदशा को मनोहारी, मंगलकारी बनाना हमारे ही हाथ में है।

अपने व्यक्तित्व को पल-प्रतिपल निखारने और संवारते रहें-

गणेशजी की बड़ी सूंड सिखाती है कि जीवन में अपनी क्षमताओं को विकसित करते रहें, उन्हें बढ़ाते हैं। अपने व्यक्तित्व को पल-प्रतिपल निखारने और संवारते रहें। क्षमतावान व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में मान-सम्मान पाता है। बड़े कान संदेश देते हैं कि ज्ञान की बातों को ध्यान से, जिज्ञासा भरे भाव और पूरे चित्त के साथ सुनें, समझें। उनका चिंतन-मनन और अध्ययन करें। ताकि विषम परिस्थितियों में उन महावाक्यों, ज्ञान के सहारे मन को शांत रख सकें, समस्याओं से आसानी से पार पा सकें। ज्ञानी व्यक्ति बोलने से ज्यादा सुनता है। इस गुण के कारण व्यक्तित्व में चार चांद लग जाते हैं।

समाने की शक्ति से रिश्तों की नींव होती है मजबूत-

छोटी आंखें संदेश देती हैं कि जीवन में कोई भी कर्म करने के पहले दूरदर्शी दृष्टिकोण हो, वर्तमान, भविष्य और भूत को ध्यान में रखकर निर्णय लिया जाए, ताकि कर्म का परिणाम मन-बुद्धि को विचलित न करे। साथ ही छोटे से छोटे व्यक्ति में गुण देखना। गणेशजी का बड़ा पेट सिखाता है कि समाने की शक्ति का कितना महत्व है। कई बार हम बेवजह की झंझटों, परेशानियों और समस्याओं में इसलिए फंस जाते हैं क्योंकि हमारे पास समाने की शक्ति का अभाव है। आपसी व पारिवारिक रिश्तों की नींव है एक-दूसरे की कमी-कमजोरियों को समां लेना, उन्हें नजरअंदाज कर देना। समाने की शक्ति से रिश्तों की नींव मजबूत हो जाती है।

अपनी मूल जड़ों और संस्कारों से जुड़े रहें-

चार हाथ में से एक हाथ में कुल्हाड़ी दिखाते हैं जो संदेश देती है कि यदि कड़े संस्कारों, पुरानी आदतों को बदलना है तो उन पर तेज प्रहार करना होगा, उसे जड़ से उखाड़कर फेंकना होगा। तभी समस्या का अंत होगा। एक हाथ हमेशा वरद मुद्रा में दिखाया गया है जो संदेश देता है कि जीवन में सदा देने का भाव रखें। हम किसी को खुशी देंगे तो बदले में खुशी मिलेगी। दुआ देंगे तो दुआ मिलेगी। देवताओं में देने का भाव होता है इसलिए वह पूजनीय होते हैं। रस्सी बंधन का प्रतीक है जो बताती है कि सबसे पवित्र बंधन है आत्मा का परमात्मा के साथ का बंधन। परमात्मा से प्रेम का बंधन। परमात्मा के प्यार में बंधने के बाद सारे बंधन अपने आप छूट जाते हैं। मोदक खुशी का प्रतीक है। जब खुशी का मौका होता है तो हम एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर मुख मीठा कराते हैं। ऐसे ही अपनी वाणी सदा मिठास से भरपूर हो। गणेशजी को मूसक की सवारी दिखाते हैं मतलब जीवन में कितने ही आगे बढ़ जाएं, कितनी ही तरक्की कर लें, लेकिन सदा जमीन से जुड़े रहें। अपनी मूल जड़ों और संस्कारों से जुड़े रहें। अपने से छोटों को भी पूरा सम्मान दें।

एक संकल्प परिवर्तन का... फिर जीवन में होगा मंगल ही मंगल

क्यों न इस बार गणेश चतुर्थी पर हम एक संकल्प परिवर्तन का करते हैं। गजानन महाराज के जीवन के दिव्यगुणों में से एक दिव्य गुण को आत्मसात करते हैं। उसे जीवन में शिरोधार्य कर उसका स्वरूप बनते हैं। हम अपने विघ्न विनाशक खुद बनते हैं। महान परिवर्तन की ओर पहला कदम बढ़ाने का आज संकल्प रखते हैं। खुद को विषय-विकारी, मूरख, खलकामी की मनोदशा से निकालकर परमात्मा के दिलतख्तनशीन, कुलदीपक, आशा के दीपक, महान आत्मा, दिव्य आत्मा, श्रेष्ठ आत्मा बनने का संकल्प लेकर उनके बच्चे बनने का परम सौभाग्य प्राप्त करते हैं। फिर हमारे जीवन में मंगल ही मंगल होगा और दूसरों के लिए भी मंगलकारी बन जाएंगे। वर्तमान परिवर्तन के इस दौर में यही परमात्म आज्ञा और शिक्षा है।

जीवन प्रबंधन: बीके शिवानी दीदी

दुआओं का खाता बैंक बैलेंस की तरह विपरीत परिस्थितियों में काम आता है

जमा करने के साथ अपने मन के विचारों को भी पवित्र करके अपना भाग्य सिक्योर करें

शिव आमंत्रण आबू रोड।

कोई हमारे साथ बहुत ज्यादा गलत करे तो क्या हम उसको दुआएं दे सकते हैं? फूल भेजेंगे, बुके भेजेंगे, लेकिन ब्लेसिंग नहीं भेजेंगे। ब्लेसिंग मतलब क्या कोई मेरे लिए गलत कर रहा है मैं अंदर से उसके लिए नफरत नहीं करूंगी, मैं अंदर उसके लिए बुरा नहीं सोचूंगा। अब हमें कार्मिक अकांउट को बंद नहीं करना है ठीक करना है। बंद नहीं होता, चैंज हो सकता है कि आज से हम जो आपके लिए सोचेंगे वो सिर्फ ब्लेसिंग्स और गुड विशेज है और वो करते ही हम अपने कार्मिक एकाउंट की क्वालिटी को चैंज कर देंगे। दोनों में से किसी एक को करना है।

बचपन से सुना है कि जो करेगा वो पाएगा। तो किसी एक को चेंज करना है क्योंकि अगर मैंने नेगेटिव भेजा और फिर आपने भी नेगेटिव भेजा तो इट्स गेटिंग मोर एंड मोर मोर मोर कंपलेक्स। भेजते-भेजते अगर दोनों में से किसी एक ने कॉस्टयूम चेंज कर लिया और फिर मिलेंगे तो ज्यादा कॉप्लिकेटेड हो जाता है क्योंकि अब तो हमें याद ही नहीं है कि आप कौन हो, मैं कौन हूं?

कुछ लोगों से मिलकर अच्छा क्यों लगता है: कुछ लोगों से मिलकर हमें अच्छा क्यों नहीं लगता? और कुछ लोगों से पता नहीं चलता कि अच्छा क्यों लग रहा है इतना? कुछ लोग हमारी फैमिली से भाई-बहन हैं लेकिन उनसे लगाव नहीं है और कुछ लोग जिनसे कोई रिश्ता नहीं है लेकिन उनके लिए कहेंगे कि वो हमारे लिए परिवार से बढ़कर हैं क्यों? क्योंकि कभी न कभी हम दोनों बहुत अच्छी एनर्जी एक्सचेंज करके आए हैं। जब दिवाली आती है तो हम बैठकर लिस्ट बनाते हैं कि किसको क्या देना है?

जो एनर्जी किसी को देंगे वही मेरे पास वापस आती है

अगर हमें यह पता चले कि आज जो हम उनको गिफ्ट देंगे दिवाली के चौथे दिन तक वही गिट हमारे पास आने वाला है तो मैं कौन सा गिट खरीदूंगी? मैं वही खरीदूंगी जो मैं चाहती हूं, क्योंकि मुझे 100 प्रतिशत विश्वास है कि चौथे दिन वो मेरे पास आने वाला है। मैं ये नहीं कहूंगी कि उन्होंने हजार रुपए का भेजा मेरे को क्या फर्क पड़ता है। उन्होंने कितने का भेजा मुझे अगर 50 हजार रुपए की भी चीज पसन्द आएगी तो मैं ले लूंगी। क्योंकि वापस तो मेरे घर आने वाली है। ये लॉ ऑफ कर्म है। जो एनर्जी हम किसी को देंगे वो वापस हमारे पास ही आने वाला है इसलिए जो चाहिए उसे देते जाएं। खुशी चाहिए, रेस्पेक्ट चाहिए, ट्रस्ट चाहिए, प्यार चाहिए वही देते जाओ। देते समय भी मिल रहा है, वापिस आते समय भी मिल रहा है। लेकिन अगर हम कहेंगे उन्होंने तो 500 रुपए की दी थी मुझे भी 500 की ही देनी है फिर उन्होंने और कम करनी है।

ब्लेसिंग एक पावरफुल संकल्प है जो देने से खुद को ही मिलता

डेस्टिनी हमारी चॉइस है। ब्लेसिंग्स दें उनको जो हमारे साथ गलत कर रहे हैं। ब्लेसिंग क्या है ये केवल एक संकल्प है। किसी ने प्रश्न लिख कर भेजा कि किसी ने हमारे साथ गलत किया है तो हमें लीगल केस करना चाहिए या उसे ऐसे ही छोड़ दें। क्या उत्तर होगा? जो सही है बिल्कुल करना चाहिए लेकिन लीगल केस करना और एक है अंदर से नफरत करना। दोनों चीजों में बहुत अंतर है। कइयों के साथ हम कोई एक्शन नहीं लेते लेकिन अंदर ही अंदर नफरत करते रहते हैं। कार्मिक एकाउंट बहुत स्ट्रांग है। जो लीगली राइट है वह करेंगे लेकिन अंदर से दुआएं देंगे कि अब इस आत्मा के साथ मुझे कुछ भी गड़बड़ नहीं करनी है। पहले ही बहुत गड़बड़ हो गई। इसके बाद कोई गड़बड़ नहीं चाहिए। जिनके साथ उलझन है उनके साथ जल्दी जल्दी सब कुछ ठीक करना चाहिए, ताकि उनके साथ फिर कोई ऐसी भारी एनर्जी एक्सचेंज हमारे कार्मिक पैटर्न में नहीं आए।

अपने बारे में गलत सोचने से होगा नुकसान

रोज मेडिटेशन में दुआएं भेजें। उनको सामने लेकर आएं और उसे एक मैसेज दें कि वह हमारा पास्ट था जो खत्म हो गया है। आज से आपके और मेरे बीच सिर्फ प्यार और समान और दुआएं हैं। ये रोज सिर्फ उनको मन से मैसेज भेंजे। ये मैसेज भेजते ही पहले तो हमारी तरफ से थोड़ी-थोड़ी गड़बड़ी थी वह ठीक हो जाएगी और वहां पर मैसेज जाएगा तो उसका असर होने वाला है। वहां से भी एनर्जी वापस आएगी। वापस न भी आए वहां से तो हमें कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि हमारा कर्म हमारा भाग्य लिखता है। उनका कर्म उनका भाग्य लिखता है। हमें लगता है हम किसी के लिए गलत सोचेंगे और उनका गलत हो जाएगा या दूसरा डर आजकल कोई मेरे लिए गलत सोच रहा है इसलिए मेरे साथ गलत होता है, नजर लग गई किसी की, नजर लगना मतलब क्या? मतलब किसी ने सोचा कि मेरा हॉस्पिटल बंद हो जाए इसलिए मेरा गड़बड़ होने लग गया, ऐसा हो सकता है क्या? मैं यहां से बैठकर अभी एक सोच क्रियेट करती हूं कि मेरे सामने जो व्यक्ति सोफे पर बैठे हैं वो गिर जाएं तो क्या वो सोफे से गिरेगा नहीं। चाहे मैं 24 घंटे ये सोचू तो भी नहीं गिरेगा लेकिन जिस दिन उसने ऐसा सोच लिया कि मैं उसके बारे ये सोच रखती हूं और कहीं मैं सचमुच न गिर जाऊं तो? तो उस दिन जरूर गिर जाएगा।

हमारे विचार प्योर होंगे तो भाग्य भी सिक्योर होगा...

अगर हमारी सोच नेगेटिव हो गई डर से इनसिक्योरिटी से फिर हमारी सोच हमारा भाग्य लिखती है। अगर हम रोज चार्ज करते हैं अपनी बैटरी को, हम रोज परमात्मा से कनेक्शन रखते हैं तो कोई हमारे लिए कितना भी नेगेटिव सोचे हमारी सोच कैसी होगी? प्योर तो हमारे भाग्य सिक्योर। आज कल हमारे अंदर इतना डर हो गया है कि हम अपने जीवन में होने वाली अच्छी बातें भी किसी को नहीं बताते हैं। अभी पिछले सप्ताह मैं एक हॉस्पिटल में गई वहां मुझे दो डॉक्टर मिले। उनमें से एक ने बड़ी मिठास से कहा सिस्टर क्या आप जानती हैं इन्होंने पिछले महीने 102 सर्जरी की हैं। मैंने कहा डॉक्टर साहब मुबारक! कहते हैं क्या मुबारक इसने व्हाट्सएप ग्रुप पर डाल दिया। 4 दिन मेरे पास एक भी सर्जरी नहीं आई। अब देखिए इतने डर में और इतने वहम में हम रहते हैं। इतने डर में अगर हम रहेंगे तो औरों के प्रति हम कैसा सोच रहे हैं कि किसी ने मुबारक भी दी तो अंदर से लगता है कि इसको जरूर मेरे से कोई प्रॉब्लम है। जो अपने जीवन से ईर्ष्या करता है वो हर समय दर्द में रहता है। हमारा कर्म, हमारा भाग्य लिखता है। हमारी एक-एक सोच की चेकिंग है कि मेरी सोच की क्वालिटी कितनी नीचे होते। अगर हम अच्छा कर रहे हैं फिर चाहे किसी को कोई प्रॉब्लम ही क्यों न हो, कोई भी आपका नुकसान नहीं कर सकता। अपनी सोच की सूक्ष्म चेकिंग करके दूसरों को हमेशा आगे बढ़ाओ।

समस्या- समाधान

सुबह उठते ही करें महान, श्रेष्ठ और शक्तिशाली संकल्प

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

> योगी के लिए दिनचर्या और आत्म-निरीक्षण की विधि

कुछ लोग कहते हैं कि ईश्वरीय ज्ञान और सहज राजयोग की शिक्षा प्राप्त करने के बाद पहले-पहले तो हमें अपने जीवन में काफी परिवर्तन महसूस हुआ परन्तु अब ऐसा लगता है कि उन्नति की गति मंद पड़ गई है। जिस अव्यक्त स्थिति को हमें प्राप्त करना है, उसका चित्र तो हमारे सामने स्पष्ट है परन्तु उस तक पहुंचने में हमारी गति में सन्तोषजनक तीव्रता नहीं आई है। अतः वे जानना चाहते हैं कि अब गति में तीव्रता लाने के लिए क्या साधन अपनाया जाए? ध्यान से देखा जाए तो गति मंद अथवा अतिभंग होने के पांच ही मुख्य कारण होते हैं। यदि उन कारणों का निवारण करने का पुरुषार्थ हम करें तो आत्मोन्नति की पराकाष्ठा पर पहुंच सकते हैं।

\- राजयोगी बीके सूरज भाई, माउंट आबू

अवस्था का आधार है चर्या-

मनुष्य की अवस्था का सारा आधार उसकी 'चर्या' है। चर्या में दिनचर्या भी शामिल है, सांध्यचर्या भी और रात्री चर्या भी। मनुष्य सोकर जब उठता है और आंख खोलता है। अथवा पहला संकल्प करता है तब से उसकी दिनचर्या प्रारम्भ हो जाती है और रात्रि को सुषुप्त अवस्था तक जो भी संकल्प-विकल्प या कर्म करता है, वे सभी उसकी चर्या में ही गण्य हैं। यहां तक कि जो स्वप्न वह देखता है, वह भी एक प्रकार से उसकी चर्या का ही अर्द्धचेत अवस्था में विस्तार है। चर्या नियमित, सन्तुलित एवं ज्ञानानुकूल न होने से भी मनुष्य का आध्यात्मिक पुरुषार्थ ढीला हो जाता है। अतः सबसे पहले मनुष्य को अपनी चर्या पर ही ध्यान देना चाहिए।

ठीक मनसा से सोना-

प्रातः ठीक समय पर उठने के लिए आवश्यक है कि हम ठीक समय पर सोयें। यद्यपि निद्रा पर जितनी विजय प्राप्त हो सके उतना अच्छा ही है। रात्रि को सोने के लिये 10 बजे का समय एक आदर्श समय होता है। क्योंकि इस समय सोने से मनुष्य प्रातः 3 या 4 बजे उठ सकता है और उस समय के एकान्त, शान्त और सतोगुणी वातावरण में योगाभ्यास एवं प्रभु-मिलन का आनन्द ले सकता है। यदि कोई मनुष्य 10 बजे की बजाय देरी से सोता है तो वह या तो प्रातः देर से उठता है या उसे दिन-भर थकावट, आलस्य, भारीपन या निद्रा का प्रवाह महसूस होता है। इसका प्रभाव उसकी सारी दिनचर्या पर पड़ता है। अतः अपनी दिनचर्या को ठीक करना ज़रूरी है।

मानसिक तैयारी जरूरी-

रात्रि को निद्रा के लिए मानसिक तैयारी भी हमें ज्ञानानुकूल ही करनी चाहिए। शयन-शैय्या पर बैठकर पहले हमें कुछ समय शिव बाबा परमपिता परमात्मा की मधुर स्मृति का अभ्यास करना चाहिए। यदि हमारे पास अधिक समय न भी हो या हम थकावट महसूस कर रहे हों तो भी पांच मिनट ही सही, परन्तु हमें ईश्वरीय स्मृति में बैठना अवश्य ही चाहिए। योगी तो पहले अपने बिस्तर को ठीक करके, हाथ-मुंह स्वच्छ करके तब चारपाई पर बैठता है। सहज रूप से उस पिता, माता अथवा साजन रूप परमात्मा से वह मनोमिलन मनाता है, वह इस स्थूल लोक में सोने से पहले स्वयं को सूक्ष्म प्रकाशमय लोक में ले जाता है और अपने स्वरूप का और प्रभु का चिन्तन करते हुए उस परमपिता से निद्रा के लिए आज्ञा लेकर आत्मिक स्थिति में लेट जाता है। मानो वह अपनी कर्मेन्द्रियों रूपी नौकर-चाकरों को आराम के लिए छुट्टी दे देता है और स्वयं निःसंकल्प अवस्था में टिक जाता है। ऐसे सोने वाले योगी की निद्रा भी सतोगुणी या योगनिद्रा होती है और उसे तमोगुणी स्वप्न नहीं आते, बल्कि वह सतयुगी पावन सृष्टि में, सूक्ष्म देवलोक के अथवा पुरुषोत्तम संगमयुगी ज्ञान जगत के ही स्वप्न देखता है। वह जिस समय उठने का संकल्प करके सोता है, उस समय ही जाग जाता है।

उठने के समय के लिए विधि-

प्रातः उठते ही सबसे पहला संकल्प, मन रूपी आंख के सामने पहला दृश्य और बुद्धि में सबसे पहली स्मृति उस परमपिता परमात्मा ही की आनी चाहिए और चारपाई पर उठकर योग से ही अपनी दिनचर्या की शुरुआत करनी चाहिए। मन में यह प्रतिज्ञा करनी चाहिए कि आज दिनचर्या और अवस्था कल की अपेक्षा ज्यादा अच्छी रहेगी। प्रातः मनुष्य का मन सतोगुणी अवस्था में, चुस्त, मुद्रित और सन्तुष्ट होता है। उस समय प्रतिज्ञा करना अथवा शुभ संकल्प करना गोया कार्यक्षेत्र में उतरने से पहले अपने मनोबल को एक दिशा देने की तरह है जो बहुत ही लाभप्रद है। कहावत है कि मनुष्य जैसा सोचता है वैसा ही हो जाता है।

RNI No.: RAJHIN/2013/53539, Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2024-26. Posting at Shantivan- 307510 (Abu Road)
Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2024-26, Posting on 17 to 20 of Each Month, Published on 14 Aug. 2025
» प्रकाशक व मुद्रकः करुणाकर शेट्टी द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं शिव आमंत्रण, ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन, आबू रोड, राजस्थान से प्रकाशित » संपादकः बीके कोमल » संयुक्त संपादकः बीके पुष्पेन्द्र